RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 करीना कपूर की पसंदीदा बॉलीवुड...

वर्ष : 26 | अंक : 351 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 12 दिसंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

राहुल गांधी मिले दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से

हाथरस पहुंचे कांग्रेस नेता, परिवार ने एसडीएम की शिकायत की

हाथरस (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले आज सुबह पहुंचे। राहुल गांधी ने यहां 2020 में दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से मिलने के लिए गांव बुलगढ़ी में पहुंचे। राहुल गांधी ने दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से बंद कमरे में लगभस आधे घंटे तक बात की। दरअसल पीड़ित परिवार ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर आरोप लगाते हुए राहुल गांधी को पत्र लिखा था जिसके बाद राहुल गांधी पीड़ित परिवार से मिलने आए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी हाथरस के गांव बुलगढ़ी पहुंचे। यहां उन्होंने चार वर्ष पूर्व हुए दुष्कर्म कांड के पीड़ित परिवार से मुलाकात की।

बता दें कि हाथरस के बुलगढ़ी में 14 सितंबर, 2020 को अनुसूचित जाति की युवती पर हमला हुआ था। इसके भाई ने गांव के ही संदीप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। बाद में युवती के बयानों के आधार पर गांव के तीन युवकों के नाम और धाराएं बढ़ाई गईं थीं।

29 सितंबर 2020 को युवती की दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में मौत के बाद देशभर में प्रदर्शन हुए थे। इस दौरान राहुल व प्रियंका स्वजन से मिलने आए थे। स्थानीय न्यायालय से तीन आरोपितों को

निर्दोष माना। संदीप को धारा 304 और एससी-एसटी एक्ट के तहत दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

पीड़ित परिवार की सुरक्षा सीआरपीएफ कर रही है। घटना के बाद सरकार से पीड़ित परिवार ने दिल्ली में सरकारी आवास और परिवार के एक सदस्य को नौकरी की मांग की थी। बुधवार को पीड़ित परिवार के घर की नाप-जोख के लिए प्रशासनिक अधिकारियों की टीम गई। स्वजन ने इसका विरोध कर दिया और टीम लौटा दी। स्वजन का आरोप था कि सरकार हमसे घर छीनना चाहती है।

पीड़ित परिवार ने इस संबंध में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पत्र लिखा था जिसमें आरोप लगाया था कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अपना वादा पूरा नहीं किया। न तो उन्हें घर दिया गया और न ही नौकरी दी गई। वहीं जानकारी सामने आाई है कि पीड़ित परिवार ने राहुल गांधी से एसडीएम की शिकायत की है। शिकायत के बााद राहुल ने एसडीएम को तलब किया लेकिन वह नहीं आए। जिसके बाद एसडीएम को फोन मिलाकर राहुल गांधी की बात कराई गई। पीड़ित परिवार से मिलने के बाद राहुल गांधी मीडियाा से बिना कोई बात किए निकल गए।

राहुल हताशा का शिकार : पाठक

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने राहुल गांधी को 'हताशा का शिकार' बताया और कांग्रेस नेता पर स्थिति का फायदा उठाने और अशांति भड़काने का आरोप लगाया। पाठक ने खुद बनाए गए एक वीडियो में कहा कि राहुल गांधी, आप निराशा की भावना रखते हैं,

आप हताशा के शिकार हैं। आपको यह भी नहीं पता कि हाथरस मामले की सीबीआई ने जांच की है। मामला कोर्ट में चल रहा है। कभी-कभी आप संभल, अलीगढ़ जाना चाहते हैं। आप पूरी तरह से पटरी से उतर चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश सभी मामलों में नंबर वन राज्य बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

संभल हिंसा के आरोपी सपा सांसद बर्क पर योगी सरकार का एक्शन

बिना नक्शा पास कराए मकान निर्माण पर नोटिस

संभल (एजेंसी)। संभल हिंसा में मुख्य आरोपी बनाये गये समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क के खिलाऊ योगी सरकार ने एक्शन शुरू कर दिया है। बुधवार को सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क को बिना नक्शा पास कराए मकान निर्माण करने पर एसडीएम ने नोटिस जारी किया है। सांसद को गुरुवार सुबह 10 बजे तक इसका जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्माण कार्य नहीं रोका गया, तो उत्तर प्रदेश विनियमित क्षेत्र नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई होगी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

सांसद की प्रतिक्रिया

सपा सांसद बर्क ने कहा कि मुझे अभी तक नोटिस की जानकारी नहीं है। अगर प्रशासन की ओर से नोटिस दिया गया है, तो उसका जवाब दिया जाएगा। वैसे हमारा मकान एक साल से बंद पड़ा है।

नशा मुक्ति केंद्र में वॉर्डन की निर्मम हत्या

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र के ग्राम समाधिपुर में स्थित नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती युवक की दो युवकों ने चाकू मार कर हत्या कर दी। नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती दोनों आरोपी युवक से रंजिश रखते थे। पुलिस में दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि आज तड़के ग्राम समाधिपुर स्थित नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती जुनपद गांव निवासी अरविंद पुत्र रामू (27 वर्ष) की ग्राम घोड़ी बछेड़ा निवासी मोहित रावल व ग्राम डाढा निवासी लक्की ने चाकू मारकर हत्या कर दी है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी मोहित रावल व लक्की को हिरासत में ले लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि अरविंद पूर्व में भी नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती रह चुका था। नशा छोड़ने के बाद वह नशा मुक्ति केंद्र में ही वार्डन के रूप में काम करने लगा था। इस दौरान वह मोहित रावल व लक्की से केंद्र का घरेलू काम कराने लगा था। इस बात को लेकर कई बार तीनों के बीच वाद विवाद भी हुआ था। हिरासत में लिए गए दोनों आरोपियों ने बताया कि अरविंद की हरकतों की वजह से ही वह उसे रंजिश मानते थे। आज तड़के मौका देखकर उन्होंने उसे पर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। शोर-शराबा सुनकर नशा मुक्ति केंद्र के मैनेजर रोबिन ने घायल अरविंद को अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

बर्थडे पार्टी में हुआ झगड़ा युवक को चाकू से गोद डाला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा थाना बीटा-2 क्षेत्र के अंसल गोल्ड सोसायटी के पीजी में बीती रात्रि बर्थडे पार्टी में हुए विवाद में एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

मूलरूप से अलीगढ़ का रहने वाला यतेंद्र बीटा-2 सेक्टर में कैफे चलाता था। वह अंसल गोल्ड सोसायटी के एक पीजी में रह रहा था। बीती रात्रि यतेंद्र पीजी में अपना जन्मदिन मना रहा था। इस दौरान उसका दोस्त चिराग चौधरी व अन्य युवक इस पार्टी में शामिल हुए। देररात्रि किसी बात को लेकर यतेंद्र और चिराग चौधरी का आपस में विवाद हो गया। विवाद के दौरान चिराग चौधरी ने यतेंद्र पर चाकू से हमला बोल दिया। चिराग चौधरी ने यतेंद्र पर चाकू से कई वार किये जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पार्टी में शामिल अन्य युवकों ने घायल यतेंद्र को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया।

हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर थाना बीटा-2 पुलिस पहुंच गई और आरोपी को हिरासत में ले लिया। मृतक के परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी गई है। जांच पड़ताल में पता चला है कि किसी मामूली (शेष पृष्ठ-3 पर)

दहेज की खातिर बहु की चढ़ा दी बलि!

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा थाना बीटा-2 क्षेत्र में दहेज के लिए एक विवाहिता की हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतका के परिजनों का आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालवालों ने उसकी फांसी लगाकर हत्या कर दी।

मूलरूप से बरेली निवासी नंदकिशोर गुप्ता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने अपनी बेटी पूजा गुप्ता की शादी 13 दिसंबर 2018 को ग्रेटर

नोएडा के बीटा-1 सेक्टर निवासी राहुल गुप्ता के साथ की थी। शादी के कुछ समय बाद ही राहुल गुप्ता उसकी मां सर्वेश गुप्ता, भाई सौरभ गुप्ता, पिता रामनरेश गुप्ता, नंद सोनी गुप्ता, मामा मुनीष गुप्ता ने उनकी (शेष पृष्ठ-3 पर)

रिटायर्ड ब्रिगेडियर के घर में चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-37 में चोरों ने एक रिटायर्ड ब्रिगेडियर के घर से नगदी व लाखों रुपए के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। हैरानी की बात यह रही कि चोरों ने जिस वक्त घटना को अंजाम दिया उस समय परिवार के सभी सदस्य घर में सो रहे थे। सेक्टर 37 स्थित अरुण विहार में रहने वाले रिटायर्ड ब्रिगेडियर इकबाल सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 11 दिसंबर को अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। रात्रि 12:00 बजे के बाद अज्ञात चोरों ने उनके घर से 20000 रूपये की नगदी, दो मोबाइल फोन, सोने की चार अंगूठी, दो चेन, कंगन, जूते व अन्य सामान चोरी कर लिया। अगले दिन उन्हें चोरी की जानकारी हुई। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी का कहना है कि रिटायर्ड ब्रिगेडियर की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

'बबली' ने गोल्ड लोन कंपनी को लगाई करोड़ों की चपत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में स्थित एक गोल्ड लोन कंपनी की ब्रांच मैनेजर ने बड़े ही शातिराना अंदाज में गोल्ड लोन कंपनी को करोड़ों रुपए की चपत लगा दी है। शातिर बबली ने गोल्ड लोन कंपनी में आए गोल्ड पैकेट गायब कर दिए और हर पैकेट में से गोल्ड चोरी कर करीब डेढ करोड रुपए से अधिक की ठगी की है। कंपनी के असिस्टेंट ब्रांच मैनेजर ने थाना सेक्टर-20 में मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-18 स्थित टू कैप फाइनेंशियल लिमिटेड कंपनी के असिस्टेंट ब्रांच मैनेजर जितेंद्र सिंह निगम ने दर्ज कराई की रिपोर्ट में बताया कि उनकी कंपनी आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी एनबीएफसी है। यह कंपनी गोल्ड लोन प्रदान करती है और इसकी एक शाखा सेक्टर-18 में है। इस शाखा की ब्रांच मैनेजर ज्योति शर्मा है। उन्होंने बताया कि बीते दिनों सेक्टर-18 की ब्रांच से एक गोल्ड लोन का पैकेट ब्रांच मैनेजर ज्योति शर्मा ने बड़ी ही चालाकी से चुरा लिया। जांच करने पर सीसीटीवी कैमरे में चोरी की यह पूरी घटना रिकॉर्ड मिली। उन्होंने इसकी जानकारी कंपनी के सीनियर अधिकारियों को दी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

18 को नौसेना के वाइस एडमिरल नोएडा में

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-29 स्थित शहीद स्मारक संस्थान पर 18 दिसंबर को विजय दिवस मनाया जाएगा। इस दिन नौसेना के वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहेंगे। यह जानकारी शहीद स्मारक संस्थान के प्रवक्ता नरेन्द्र महाजन ने दी है।

उन्होंने बताया कि 18 दिसंबर को प्रात: 9.00 बजे से 11.30 तक कार्यक्रम चलेगा। इस दिन वाइस एडमिरल शहीद स्थल पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

ईस्टर्न पेरीफेरल पर भीषण हादसा

कीया व फॉर्च्यूनर एक्सप्रेसवे से नीचे गिरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र से होकर गुजर रही ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर जा रही फॉर्च्यूनर और कीया गाड़ी को एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों गाड़ियां एक्सप्रेसवे से नीचे गिर गई। टक्कर मारने के बाद अज्ञात वाहन मौके से फरार हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने हादसे में पांच लोगों इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं एक अन्य सड़क हादसे में नोएडा के सेक्टर-33 के पास दो गाड़ियां आपस में ट्करा गई। सेक्टर-24 थाना पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच कर रही है।

ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर देर रात भी भीषण हादसा हुआ। लेकिन गनीमत यह रही की इसमें किसी को गंभीर छोटी नहीं आई है। कीया कार के चालक पवन कुमार ने बताया कि वह अपनी गाड़ी से हापुड़ से फरीदाबाद जा रहे थे, रास्ते में उनकी गाड़ी को किसी अज्ञात वाहन ने तेजी से टक्कर मार दी। जिससे उनकी कार का बैलेंस बिगड़ गया और वह आगे चल रही एक फॉर्च्यूनर कार से टकरा गई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

दो गाड़ियां भिडी

दूसरी घटना नोएडा के थाना क्षेत्र 24 क्षेत्र में हुई जहां दो गाड़ियां सेक्टर-33 के पास प्रकाश हॉस्पिटल के सामने टकरा गई इसमें किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। मौके पर थाना 24 पुलिस पहुंच कर मामले की जांच कर रही है।

बैटरी चोरी की 9 माह बाद दर्ज की रिपोर्ट

नोएडा (चेतना मंच)। एक आम आदमी को अपने साथ घटित हुई घटना की रिपोर्ट दर्ज करने में कितनी मशक्कत करनी पड़ती है इसके उदाहरण आए दिन सामने आते रहते हैं। ऐसा ही एक मामला थाना सेक्टर 113 क्षेत्र में प्रकाश में आया है। डिलीवरी बॉय की स्कूटी से बैटरी चोरी होने की घटना की रिपोर्ट 9 माह बाद दर्ज की गई है। मूल रूप से महोबा उत्तर प्रदेश निवासी मंगल ने बताया कि वह ई-कॉमर्स कंपनी में इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी से डिलीवरी का काम करके अपने परिवार का भरण पोषण करता है 14 मार्च 2024 को वह अपनी स्कूटी से सेक्टर 116 में ऑर्डर देने के लिए गया था। उसने स्कूटी सड़क किनारे खड़ी कर दी और ऑर्डर देने चला गया कुछ देर बाद जब वह वापस लौटा तो उसकी स्कूटी स्टार्ट नहीं हुई। जांच करने पर पता चला कि चोरों ने उसकी ई स्कूटी से बैटरी चोरी कर ली है। उसने आसपास बैटरी के काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला इसके बाद उसने डॉयल-112 पर फोन कर शिकायत दर्ज करने का प्रयास किया लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद भी उसकी शिकायत दर्ज नहीं हो पाई। बैटरी चोरी होने के करीब 9 माह बाद थाना सेक्टर-113 पुलिस ने इस मामले को दर्ज किया है।

अब बेसहारों को मिलेगी शीतलहरी से निजात!

नोएडा प्राधिकरण ने 7 स्थानों पर बनाये रैनबसेरा, 270 लोग रात में सो सकेंगे

नोएडा (चेतना मंच)। दो दिनों से शुरू कड़ाके की ठंड तथा शीतलहरी के मददेनजर नोएडा प्राधिकरण ने भी कमर कस ली है। बेसहारा लोगों को ठंड से बचाने के लिए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम ने कई स्थानों पर रैनबसेरा बना दिये हैं। इन रैन बसेरों में सुरक्षा के अलावा स्वच्छता, पेय जल, बिस्तर, कम्बल आदि सभी आवश्यक सुविधाएं भी मौजूद हैं। वहीं अलाव की भी व्यवस्था की गई है।

नोएडा प्राधिकरण ने वर्क सर्किल-2, 3, 4, 5, 6, 9 तथा 10 क्षेत्र में 7 स्थानों पर रैनबसेरा बनाये हैं। इन रैन बसेरों की कुल क्षमता 270 लोगों के ठहरने की है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

संगठन की मजबूती

देश हो या प्रदेश, कांग्रेस का जिस भाजपा से मुकाबला है, उसे संगठन से भी कहीं आगे नागरिक समाज के संपर्क तक छूना पड़ेगा। भाजपा ने हिमाचल की खाक छान ली है। पहले ही 17 संगठनात्मक जिलों में 74 मंडल थे जिनकी संख्या अब 171 की जा रही है, यानी 131 प्रतिशत की दर से अपनी संगठनात्मक शक्ति बढ़ा दी। दूसरी ओर कांग्रेस सत्ता की गलबहियों में न जाने कब अपनी संगठनात्मक पैरवी में कुछ सुधार कर पाएगी। भाजपा के पास जनसंपर्क के सारे औजार काम कर सकते हैं, तो इस चेतना से कांग्रेस को सीखना चाहिए, वरना हरियाणा व महाराष्ट्र के चुनाव परिणाम की चुनौतियों के महाजाल में पार्टी को बाद में बहाने ही खोजने पड़ेंगे। भाजपा के संगठन को बाकायदा नायक की तरह आगे बढ़ाते हुए इसके पदाधिकारियों का प्रदर्शन हर तरह के मीडिया में दिखाई देता है, जबकि कांग्रेस अपने घरानों में सीढियों और पीढियों के साथ दिखाई देती है। बेशक हिमाचल में विपक्ष की सियासी खुराफात के बाद कांग्रेस सरकार सशक्त हो गई, लेकिन मुकाबले में पार्टियों का विश्लेषण भाजपा की तैयारियों के कदमताल में दिखाई देता है। हिमाचल में सत्ता के दो सालों का विवरण बिलासपुर के लाल कालीन पर होने जा रहा है और इसके लिए सरकार आत्मविश्वास, आत्मबल के साथ आत्मनिरीक्षण से भी गुजर जाए, तो अगले तीन साल का सफर नई डगर पर होगा। दो साल सरकार के चरित्र, उपलब्धियों और आर्थिक संतुलन के कर्त्तव्यपथ पर गुजरे हैं, जबकि आने वाले तीन साल का हिसाब चुनाव के रंग में रंगा जाएगा। कम से कम 74 से 171 मंडल तक खुद को फैलाकर भाजपा चुनावी गणित के कई प्रश्न जनता की मानसिक स्लेट पर उकेर रही है। आश्चर्य यह कि भाजपा के केंद्रीय नेताओं और मंत्रियों का प्रदेश में आवागमन एक निश्चित परिधि बनाता है, लेकिन कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के लिए पहाड़ के सफर को शायद ऑक्सीजन नहीं मिल रही। सवाल यह है कि पुरानी जीत के जश्न में और वक्त गुजार दिया जाए या आने वाले चुनाव के इम्तिहान के लिए वर्जिश की जाए। पार्टी अध्यक्ष के चेहरे पर लगे विराम को कब हटाया जाएगा या संगठनात्मक शून्यता में सरकार के पदचिन्हों पर ही कांग्रेस वर्तमान भाजपा से मुकाबिल होने की रस्में निभाती रहेगी। अंतत: भाजपा ने तो अपनी बिसात 171 मंडलों में बिछा दी है, तो कांग्रेस कब अपने कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करते हुए इस चुनौती का सामना करना शुरू करेगी। कम से कम सरकार जो कर चुकी है, कर रही है या करने का वादा कर रही है, उसके प्रचार में संगठन की सक्रियता बढ़ जानी चाहिए। कांग्रेस के पास दो साल का जश्न और तपोवन में शीतकालीन सत्र की एक रूपरेखा है, जिसके आलोक में पार्टी अगले तीन साल की प्रतिज्ञा नत्थी कर सकती है। मंच से चुनाव की मचान का सफर आसान नहीं है और यही परीक्षा कांग्रेस के लिए अब शुरू हो रही है। बिलासपुर में सत्ता का समारोह जाहिर तौर पर एक ताकतवर सरकार का अंदाज और अधिकार हो सकता है, लेकिन अब हिमाचल की गलियां चुनावी सुर और ताल के मजमून सूंघ रही हैं। पार्टी का जनसंपर्क, सत्ता के संपर्क से विशाल करना ही होगा और इसके लिए जरूरी है संगठन को इसकी नई फेहरिस्त व जिम्मेदारी में सजाने की तरफ बढ़ा जाए। बिलासपुर के वातावरण के खिलाफ अपने आक्रोश को जमीनी सतह पर परवान चढ़ाने के लिए भाजपा ने व्यूहरचना रच दी है और इसका महाकाव्य शीतकालीन सत्र के आगाज में सदन से बाहर जोरावर स्टेडियम में संगठन को खड़ा करके, जबकि सदन के अंदर विपक्ष की कर्कश भूमिका में स्थापित होगा। प्रदेश ने कई मुद्दे बना लिए हैं जिनके ऊपर मरहम की परत बिलासपुर की रैली चढ़ा सकती है, लेकिन विपक्षी ढोल सुर बिगाडऩे की फिराक में शीतकालीन सत्र की तलाशी लेंगे। केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर की लेटलतीफी पर विपक्षी बंदूकें पूरी तरह तैयार हैं, तो सीपीएस मामले की पड़ताल का तंदूर गर्म है। दूसरी ओर सरकार अपने फैसलों, गारंटियों और भविष्य के नक्शे पर व्यवस्था परिवर्तन के मायनों में पूरी तरह चुस्त दिखाई देती है, लेकिन पार्टी के संगठन की सुस्ती से कहीं आगे भाजपा के संगठन को पछाडऩे के लिए बहुत कुछ करना बाकी है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि ब्रह्माजी की प्रार्थना सुनकर और प्रभु श्री रामचन्द्रजी के वचनों को याद करके शिवजी ने प्रसन्नतापूर्वक कहा- ऐसा ही हो। तब देवताओं ने नगाड़े बजाए और फूलों की वर्षा करके जय हो! देवताओं के स्वामी जय हो ऐसा कहने लगे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

अवसरु जानि सप्तरिषि आए।
तुरतहिं बिधि गिरिभवन पठाए॥

उचित अवसर जानकर सप्तर्षि आए और ब्रह्माजी ने तुरंत ही उन्हें हिमाचल के घर भेज दिया। वे पहले वहाँ गए जहाँ पार्वतीजी थीं और उनसे छल से भरे मीठे (विनोदयुक्त, आनंद पहुँचाने वाले) वचन बोले-॥

दो0- कहा हमार न सुनेहु तब नारद कें उपदेस॥
अब भा झूठ तुम्हार पन जारेउ कामु महेस॥

नारदजी के उपदेश से तुमने उस समय हमारी बात नहीं सुनी। अब तो तुम्हारा प्रण झूठा हो गया, क्योंकि महादेवजी ने काम को ही भस्म कर डाला॥

सुनि बोलीं मुसुकाइ भवानी। उचित कहेहु मुनिबर बिग्यानी॥
तुम्हरें जान कामु अब जारा। अब लगि संभु रहे सबिकारा॥

यह सुनकर पार्वतीजी मुस्कुराकर बोलीं- हे विज्ञानी मुनिवरों! आपने उचित ही कहा। आपकी समझ में शिवजी ने कामदेव को अब जलाया है, अब तक तो वे विकारयुक्त (कामी) ही रहे!॥ क्रमश:..)

इंडिया गठबंधन में बढ़ती दरारें और मुश्किलें

विपक्षी गठबंधन इंडिया की उलटी गिनती का क्रम रूकने का नाम नहीं ले रहे हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से आ रही खबरों से साफ होता है कि इंडिया गठबंधन इंडिया में सब कुछ सही नहीं चल रहा। लगातार चुनावी नाकामियों से पैदा हुई बेचैनी गठजोड़ पर भारी पड़ रही है। एक-दूसरे के खिलाफ असंतोष, दोषारोपण और बयानबाजी विपक्ष एकता के लिए बिल्कुल भी शुभ संकेत नहीं, जो गठबंधन की मुश्किलें बढ़ाने का ही सबब है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रभावी प्रदर्शन एवं परिणामों के कारण ही वह अधिकारपूर्वक इंडिया का नेतृत्व अपने हाथों में लेकर गठबंधन की अगुआई करने में सक्षम हो पायी। लेकिन कांग्रेस की ओर से ऐसी कोई मजबूत एवं प्रभावी पहल बाद में हुए हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखण्ड, जम्मू-कश्मीर आदि प्रांतों के चुनावों में देखने को नहीं मिली, राज्यों के विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन का हिस्सा होते हुए भी पार्टियों ने अपनी क्षेत्रीय जरूरत को सर्वोपरि रखते हुए फैसले लिए जो गठबंधन की प्रतिबद्धताओं पर प्रश्न लगाती है। अडाणी मुद्दे को लेकर शीतकालीन संसद सत्र में इंडिया गठबंधन में दरार दिखने लगी है। अडानी के मुद्दें पर कांग्रेस और राहुल गांधी लगातार संसद में हंगामा कर रहे हैं, सदन की कार्यवाही नहीं चल पाई है। वहीं, अडानी के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के घटक दल समाजवादी पार्टी और टीएमसी कांग्रेस से अलग अपना रुख दिखाते हुए आम सहमति नहीं बना पा रहे हैं। वैसे भी ये दोनों दल ही 66 सांसदों के साथ गठबंधन के मजबूत आधार है।

निश्चित रूप से कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। इसके उदाहरण हैं झारखंड के हेमंत सोरेन का शानदार प्रदर्शन और बंगाल की ममता बनर्जी जिन्होंने उपचुनाव में सारी सीटें जीत ली। हरियाणा विधानसभा चुनावों में हमने देखा कि इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी थी और वहां भाजपा ने शानदार जीत हासिल करते हुए सरकार बनाने में कामयाब रही। महाराष्ट्र में भी इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। आप ने तो कांग्रेस से दूरी बनायी ही है, अन्य दल भी दूरियां बना रहे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस एवं आप के बीच सहमति नहीं पायी है। आप ने समझ लिया है कि गठबंधन से कांग्रेस को ही फायदा अधिक होता है। इस तरह गठबंधन के टूटन से भाजपा की निराशा के बादल कुछ सीमा तक पहले भी छंटते हुए दिखाई दिये हैं और दिल्ली में ही ऐसा होता हुआ दिख रहा है। कांग्रेस, आप एवं भाजपा के त्रिकोणीय संघर्ष का फायदा भाजपा को ही मिला है और आगे भी ऐसा

निश्चित रूप से कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है।

ही होने की संभावनाएं है।

महाराष्ट्र चुनाव में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया बिखरा हुआ ही प्रतीत हुआ, सपा ने शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से नाराजगी की बात कहते हुए महाविकास अघाड़ी गुट से नाता तोड़ा, भले इससे राज्य की सियासत पर असर न पड़ा हो, लेकिन इसके गहरे राजनीतिक मायने हैं। इसी तरह, तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का इंडिया को लीड करने की इच्छा जाहिर करना भी बहुत कुछ कहता है। इन दोनों की नाराजगी गठबंधन के नेतृत्व और इस तरह से सीधे कांग्रेस को लेकर है। विभिन्न राज्यों में जहां-जहां इंडिया गठबंधन दलों की सरकारें हैं, वे अडाणी जैसे मुद्दों से दूरी बनाना चाहते हैं। ममता बनर्जी ने जिस तरह यह कहा कि उनका दल कांग्रेस की ओर से उठाए गए किसी एक मुद्दे को प्राथमिकता नहीं देगा, उससे यही संकेत मिला कि वह नहीं चाहतीं कि अदाणी मामले को तूल दिया जाए। कांग्रेस को इसकी भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि गत दिवस ही माकपा के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने बंदरगाह के विकास के लिए अदाणी समूह के साथ एक पूरक समझौते को अंतिम रूप दिया। साफ है कि माकपा भी अदाणी मामले में कांग्रेस के रुख से सहमत नहीं। तेलंगाना सरकार ने अदाणी समूह के साथ एक समझौता कर रखा है और अतीत में राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने भी राज्य में इस समूह के निवेश को हरी झंडी दी थी। आखिर राहुल गांधी इन स्थितियों को क्यों नहीं समझ एवं देख रहे हैं?

विपक्ष गठबंधन इंडिया में सबसे ज्यादा कमी आम सहमति की दिखाई देती है। सीटों से लेकर मुद्दों तक, सहयोगी दलों के बीच कहीं एकजुटता एवं आम सहमति नहीं दिखती। इसी शीतकालीन सत्र में अदाणी मामले पर कांग्रेस और टीएमसी ने अलग राह पकड़ ली। दरअसल, यह टकराव राष्ट्रीय राजनीति में फिर से मजबूत होने की कोशिश कर रही कांग्रेस और अपनी खोयी राजनीतिक जमीन को पाने के लिए लड़ रहीं क्षेत्रीय राजनीति की धुरंधर पार्टियों के बीच का ज्यादा है। देखा जाए तो समय-समय पर इस तरह की खबरें आती रही हैं, जो विपक्षी एकता के लिए चुनौती खड़ी कर देती हैं। कुछ अरसा पहले ही यूपी में उपचुनाव को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच जैसी असहज स्थिति बनी थी, वैसा सहयोगियों के बीच तो नहीं होता। महाराष्ट्र चुनाव के दौरान भी सहयोगी दलों में तालमेल की कमी होने की बात सामने आई थी। बंगाल में पहले ही कांग्रेस और टीएमसी एक-दूसरे के विरुद्ध हैं। इसी तरह, दिल्ली में आप और कांग्रेस में गठजोड़ नहीं है। यह कैसा गठबंधन है, जिसमें इतने अंतर्विरोध एवं असहमतियां हों। जहां पार्टियां आम चुनाव में साथ हों, लेकिन राज्यों के चुनाव में आमने-सामने। ऐसे में इन दलों के समर्थकों की उलझन की सहज की कल्पना की जा सकती है और इससे गठबंधन की मूल विचारधारा पर प्रश्न खड़े होने भी स्वाभाविक है। गठबंधन की सफलता के लिये नीति एवं नियत में एकजुटता जरूरी है। गठबंधन तभी सफलता से चलता है, जब सारे पक्ष थोड़ा-थोड़ा त्याग करें और किसी बड़े लक्ष्य को सामने रखे। क्षेत्रीय पार्टियों की बहुलता और अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग क्षेत्रीय पार्टियों की प्रधानता के चलते भी इस तरह के गठबंधन को लंबे समय तक चला पाना मुश्किल हो जाता है। चुनावी हार और सत्ता से बाहर होने की स्थिति में तो ऐसे गठबंधन को संभालना लगभग असंभव ही हो जाता है। ऐसी स्थितियों में क्या इंडिया गठबंधन के भविष्य पर धुंधलके छाने लगे है। क्या वह अंतिम सांसें गिन रहा है।

विपक्ष के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि आम चुनाव के बाद वह जितना एकजुट और मजबूत नजर आ रहा था, अब उतना ही बिखरा एवं अलग-थलग होता हुआ दिख रहा है। जम्मू-कश्मीर और झारखंड की जीत इतनी बड़ी नहीं है, जो बाकी हार को छुपा सके। इन दोनों राज्यों में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया की जीत में क्षेत्रीय दलों की बड़ी भूमिका रही और कांग्रेस की कम। इसलिए अब विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व को लेकर भी उसे चुनौतियां मिल रही हैं। आने वाले चुनाव विपक्षी गठबंधन के भविष्य के लिए भी अहम और निर्णायक होंगे। विपक्ष की मजबूती उसके खुद के लिए ही नहीं, एक मजबूत लोकतंत्र के लिए भी जरूरी है। इंडिया गठबंधन का मूल उद्देश्य भाजपा एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कमजोर करना है, लेकिन इसके लिये कांग्रेस एवं गठबंधन प्रभावी मुद्दें प्रस्तुत करने में नाकाम रही है। जबकि भाजपा ने महाराष्ट में हिंदू मतदाताओं के रुझान का ख्याल रखा। इसी के हिसाब से नारे गड़े। लाडकी बहिन जैसी लाभार्थी योजना, आरक्षण के सवालों और महाराष्ट्र के किसानों के मुद्दों के इर्द-गिर्द अपनी रणनीति बनाई। लेकिन राहुल गांधी ऐसे चुनावी मुद्दों को गड़ने में क्यों असफल रहे? इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के नेता राहुल गांधी की इन स्थितियों पर गंभीर मंथन कर रहे हैं। राहुल गांधी बेतुकी आक्रामकता से उपरत क्यों नहीं हो रहे हैं? वे सदन के भीतर एवं सदन के बाहर ऐसी ही तर्कहीन बातों एवं बयानों से अराजक माहौल बना रहे हैं। जिससे कांग्रेस तो कमजोर हो ही रही है, इंडिया गठबंधन भी कमजोर होता जा रहा है, यही बड़ा कारण है इसके बिखराव का, टूटन का।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

आधुनिक भारत के 'चाणक्य' थे सी राजगोपालाचारी

स10 दिसंबर को सी. राजगोपालाचारी का जन्म हुआ था। उन्होंने स्वतंत्र पार्टी की स्थापना की थी, जो भारत में पहली राजनीतिक पार्टी थी। सी राजगोपालाचारी एक राजनीतिज्ञ, लेखक और वकील थे। इन्होंने भारतीय स्वतंत्रता

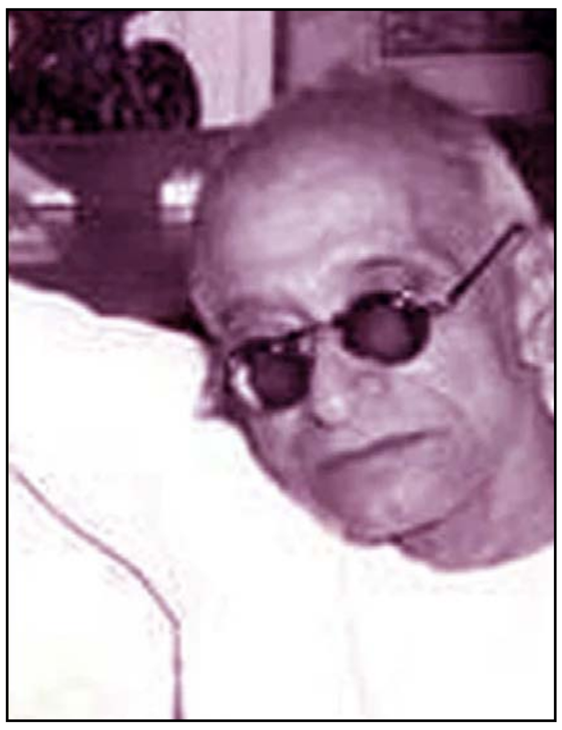

आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई थी। राजगोपालाचारी पं. नेहरू और महात्मा गांधी के करीबी माने जाते थे। बता दें कि राजगोपालाचारी को समाज सुधारक, गांधीवादी राजनीतिज्ञ चक्रवर्ती और आधुनिक भारत का 'चाणक्य' भी कहा जाता था। तो आइए जानते हैं उनकी सी राजगोपालाचारी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में।

मद्रास में 10 दिसंबर 1878 में सी राजगोपालाचारी का जन्म हुआ था। उन्होंने साल 1891 में मैट्रिक परीक्षा पास की और फिर बैंगलोर के सेंट्रल कॉलेज से बीए की डिग्री हासिल की। राजगोपालाचारी ने चेन्नई के प्रेसीडेंसी कॉलेज से कानून की पढ़ाई की और 1900 में सेलम में वकालत शुरू की। यहीं से सी राजगोपालाचारी ने राजनीति में कदम रखा। साल 1911 में वह सेलम नगर पालिका के सदस्य बनें। उन्होंने तमिल साइंटिफिक टर्म्स सोसाइटी का गठन किया।

बता दें कि स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेते हुए वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए। साथ ही उन्होंने कानूनी सलाहकार के रूप में काम किया। साल 1917 में देशद्रोह के आरोपों का सामना करने वाले स्वतंत्रता सेनानी पी. वरदराजुलु नायडू की कोर्ट में पैरवी की। फिर साल 1937 में सी राजगोपालाचारी को मद्रास प्रेसीडेंसी के पहले प्रधानमंत्री के रूप में चुना गया था। साल 1939 में उन्होंने जातिवाद और छुआछूत को खत्म करने की दिशा में कार्य किया। उन्होंने मद्रास मंदिर प्रवेश प्राधिकरण एंव क्षतिपूर्ति अधिनियम लागू किया और इस कानून के तहत ही दलितों को मंदिरों में प्रवेश की अनुमति दी गई।

वहीं देश के बंटवारे के दौरान उनको पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया। फिर साल 1947 में अंतिम ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन के जाने के बाद राजगोपालाचारी को स्वचंत्र भारत का पहला गवर्नर जनरल चुना गया। हालांकि यह पद अस्थायी था और वह भारत के अंतिम गवर्नर जनरल भी थे। 1946 से 1947 तक वह पं. नेहरू की अंतरिम सरकार में आपूर्ति, उद्योग, शिक्षा और वित्त मंत्री थे। वहीं साल 1947 में उनको पश्चिम बंगाल का पहला राज्यपाल नियुक्त किया गया। फिर नवंबर 1947 में कुछ दिनों के लिए वह भारत के कार्यवाहक गवर्नर जनरल बने।

सी राजगोपालाचारी पं. नेहरू और महात्मा गांधी के करीबी माने जाते थे। बता दें कि राजगोपालाचारी को समाज सुधारक, गांधीवादी राजनीतिज्ञ चक्रवर्ती और आधुनिक भारत का 'चाणक्य' भी कहा जाता था।

दिसंबर 1950 से 10 महीनों तक वह देश के गृह मंत्री के रूप में भी कार्य किया। लेकिन इस दौरान उनके और पं. नेहरू के बीच मतभेद पैदा हो गए और इसी के चलते उन्होंने मंत्री पद से भी इस्तीफा दे दिया। इसके बाद विधानसभा में कांग्रेस पार्टी के अल्पमत में आने के बाद साल 1952 में सी राजगोपालाचारी को मद्रास राज्य का मुख्यमंत्री चुना गया।

साल 1957 में राजगोपालाचारी ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया। फिर साल 1959 में उन्होंने स्वतंत्र पार्टी की स्थापना की और वह पं. नेहरू के नेतृत्व वाली कांग्रेस के वामपंथी झुकाव के खिलाफ थे। वह उदार नीतियों की वकालत करते थे। जब भारत सरकार ने साल 1965 में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया। सरकार के इस कदम का ईवीआर पेरियार और सीएन अन्नादुरई जैसे अन्य नेताओं के साथ इस कदम का विरोध किया।

साल 1967 में राजगोपालाचारी की स्वतंत्र पार्टी ने ष्ठरूञ्ज और फॉरवर्ड ब्लॉक के साथ गठबंधन किया। फिर 30 सालों में पहली बार मद्रास में कांग्रेस को बाहर कर दिया। तब अन्नादुराई राज्य के सीएम बनें।

बता दें कि 25 दिसंबर 1979 को 94 साल की उम्र में सी राजगोपालाचारी का निधन हो गया था।

राशिफल

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष : द्वादशी | (विक्रम संवत् 2081)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
जनमानस को आकर्षित करेंगे अपनी तरफ। एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
मन चिंतित रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। प्रेम, संतान मध्यम।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
आय के नवीन स्त्रोत्र बनेंगे। पुराने स्त्रोत्र से भी पैसे आएंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम,संतान थोड़ा मध्यम रहेगा। लाल वस्तु पास रखें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आनंदित जीवन गुजारेंगे। जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान अच्छा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार ठीक रहेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान की स्थिति मध्यम। व्यापार ठीक है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी का योग बन रहा है, लेकिन गृह कलह भी संकेत दे रहा है। स्वास्थ्य ठीक है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
पराक्रम बढ़ेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान मध्यम है। व्यापार अच्छा है। हरी वस्तु पास रखें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य नरम-गरम बना रहेगा। प्रेम, संतान की स्थिति पहले से सुधर चुकी है। व्यापार भी लगभग ठीक रहेगा।

सात गांवों के 615 किसानों को जल्द मिलेगा आबादी का भूखंड

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने किसानों की मांगों पर निर्णय करने के लिए बनी उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशों और मुख्य सचिव के निर्देशों पर अमल शुरू कर दिया है। ग्रेटर नोएडा के 7 गांवों के 615 किसानों की पात्रता सूची का प्रकाशन के बाद सुनवाई पूरी कर ली गई है। एक माह में किसानों को आबादी भूखंड के आवंटित करने का लक्ष्य है।

दरअसल, किसानों की मांगों पर अमल करने के लिए शासन ने राजस्व परिषद के चेयरमैन की अध्यक्षता में मेरठ मंडलायुक्त और जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर की तीन सदस्यीय समिति की गई थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट सबमिट कर दी। इस समिति की सिफारिशों पर अमल करने के लिए विगत 7 दिसंबर को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार ने प्राधिकरण, पुलिस व प्रशासन के साथ बैठक कर निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव के निर्देशों के मद्देनजर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने भूलेख विभाग को 7 गांवों के 615 किसानों को भूखंड आवंटन की प्रक्रिया को तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण के ओएसडी भूलेख गिरीश कुमार झा ने बताया कि सैनी, सिरसा, पतवाड़ी, थापखेड़ा, घंघोला, रोजा याकूबपुर और इटैहरा गांव के 615 किसानों के आबादी भूखंडों का आवंटन जल्द करने की तैयारी हैं। इन किसानों की पात्रता पात्रता सूची का प्रकाशन के बाद सुनवाई पूरी कर ली गई है। एक माह में किसानों को आबादी भूखंडों के आवंटन की तैयारी है। इसके साथ ही उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए 62 गांवों के 3532 किसानों की पात्रता तय करने के लिए गांवों में 14 दिसंबर से शिविर का आगाज होने जा रहा है। पहले दिन सिराजपुर और कैलाशपुर में शिविर लगाए जाएंगे। इस शिविर में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के भूलेख विभाग के एसडीएम या ओएसडी और तहसीलदार स्तर के अधिकारी मौजूद रहेंगे। गांव में सार्वजनिक स्थल पर सुबह 11 बजे से शिविर लगाया जाएगा। पात्रता तय करने के लिए किसानों से नक्शा-11, आधार प्रमाणपत्र, आवेदन और मूल किसान के जीवित न रहने पर वारिसान प्रमाणपत्र आदि कागजात लिए जा रहे हैं। बता दें, कि आबादी भूखंडों के लिए वही किसान पात्र होगा, जिसका नाम 28 जनवरी 1991 से पूर्व खतौनी में दर्ज हो और वह यहां का मूल निवासी हो। एसीईओ ने बताया कि लीजबैक के जिन प्रकरणों को शासन ने सही पाया है और लीजडीड करने की अनुमति दे दी है, उन किसानों को पत्र जारी कर दिए गए हैं। एक सप्ताह में प्रक्रिया पूरी कर इनकी लीज डीड कराने की तैयारी है।

कॉमरेड के.एम. तिवारी को दी अंतिम विदाई

नई दिल्ली। कॉमरेड के.एम. तिवारी को श्रद्धांजलि देने के लिए सैकड़ों लोग जुटे। (10 दिसंबर) गाजियाबाद जिला कार्यालय और (11 दिसंबर) सीपीआई (एम) के राज्य कार्यालय, एच.के.एस. सुरजीत भवन पर लोगों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

पोलित ब्यूरो के सदस्य कॉमरेड वृंदा करात, नीलोत्पल बसु, तपन सेन, अशोक धवले और एआईएफबी के कॉमरेड देवराजन ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी। केरल राज्य कमेटी की ओर से कॉमरेड के. राधाकृष्णन (सांसद) और अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन की ओर से कॉमरेड वी. शिवदासन (सांसद) ने पुष्पांजलि अर्पित की।

सीटू, एआईडीडब्ल्यूए, एआईकेएस, एआईएडब्ल्यूयू और एआईएलयू जैसे राष्ट्रीय संगठनों के नेतृत्व ने भी श्रद्धांजलि दी। वामपंथी दलों की राज्य कमेटी (सीपीआई, सीपीआई-एमएल, सीजीपीआई, एआईएफबी, आरएसपी) और पार्टी के जन संगठनों (सीटू, जेएमएस, डीवाईएफआई, एसएफआई, एआईएलयू, जन संस्कृति, बांग्ला मंच, जनम) के प्रतिनिधि भी शामिल

हुए। आम नागरिकों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। गौतमबुद्धनगर से माकपा, सीटू जनवादी महिला समिति के कार्यकर्ता लता सिंह, आशा, गंगेश्वर दत्त शर्मा, रामसागर, रामस्वारथ आदि दर्जनों कार्यकर्ताओं ने सुरजीत भवन नई दिल्ली पहुंचकर अपने प्रिय नेता कामरेड के एम तिवारी को श्रद्धांजलि दी और अंतिम यात्रा में शामिल हुए। सीटू नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि के एम तिवारी गाजियाबाद, गौतम बुध नगर के बहुत ही सम्मानित ट्रेड यूनियन नेता रहे हैं। उन्होने गाजियाबाद गौतमबुधनगर दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के मजदूरों के हक अधिकारों के अनेकों संघर्षों का नेतृत्व और मार्गदर्शन दिया था। गाजियाबाद गौतमबुद्धनगर दिल्ली के मजदूर हमेशा उनके योगदान के लिए श्रेणी रहेंगे।

कॉमरेड तिवारी के पार्थिव शरीर को बाल भवन तक मार्च करते हुए ले जाया गया। उसके बाद उन्हें निगम बोध घाट ले जाया गया। इस दौरान लगातार नारे गूंजते रहे - **'कॉमरेड तिवारी अमर रहे!'**

ठंड से बचाव के लिए प्रशासन ने बांटे कम्बल

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर में ठंड एवं शीत लहर को ध्यान में रखते हुए गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा रैन बसेरे, अलावा एवं कंबल वितरण के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में अभियान चलाकर गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड से सुरक्षित रखा जा रहा है।

डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में तहसील सदर, जेवर एवं दादरी के राजस्व अधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड एवं शीतलहरी से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से कंबलों का वितरण किया गया। आगे भी जिलाधिकारी के नेतृत्व में गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड एवं शीत लहरी से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा राहत कार्य अभियान चलाकर सुनिश्चित किए जाएंगे, ताकि जनपद में ठंड एवं शीत लहरी के दौरान गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड से सुरक्षित रखा जा सके।

रानी लक्ष्मी बाई महिला सम्मान कोष को लेकर बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में रानी लक्ष्मी बाई महिला सम्मान कोष के अन्तर्गत बैठक आहूत की गयी। आयोजित बैठक में आनलाईन पोर्टल पर प्राप्त मामलों में संबंधित अधिकारियों से चर्चा की गयी।

जिलाधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को उक्त लम्बित मामलों में अति शीघ्र चिकित्सक मन्तव्य आख्या आनलाईन पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही पूर्व में स्वीकृत मामलों में पुलिस विभाग को संबंधित पीड़िताओं के आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया गया।

आयोजित बैठक में डीसीपी महिला सुरक्षा सुनिति, जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारीगण एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सपा मजदूर सभा अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी मजदूर सभा के नोएडा महानगर अध्यक्ष मुन्ना आलम ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। प्रदेश अध्यक्ष को अपने लेटरहेड पर भेजे इस्तीफे में मुन्ना आलम ने कहा कि अब मैं इस पद से इस्तीफा दे रहा हूं।

क्योंकि मैं अब बिहार से अपने पैतृक क्षेत्र में पार्टी के लिए काम करके संगठन का विस्तार करना चाहता हूं। इसलिए इस इस्तीफे को स्वीकार किया जाए।

पृष्ठ एक के शेष....

संभल हिंसा के...

इसके साथ ही जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

एसडीएम के मुताबिक, संभल के दीपासराय क्षेत्र में सांसद द्वारा जो निर्माण कार्य कराया जा रहा है, वह बिना स्वीकृत नक्शे के हो रहा है। यह उत्तर प्रदेश रेगुलेशन ऑफ बिल्डिंग ऑपरेशन एक्ट 1958 का सीधा उल्लंघन है। नोटिस में कहा गया है कि निर्माण कार्य तुरंत रोका जाए और इसकी सूचना प्रशासन को लिखित रूप में दी जाए। यदि निर्देशों का पालन नहीं किया गया तो सांसद को 10,000 रुपये जुर्माना देना होगा। इसके अलावा, हर दिन निर्माण जारी रहने पर 500 रुपये अतिरिक्त जुर्माना वसूला जाएगा।

संभल के डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने कहा कि जिलेभर में निर्माण कार्यों की जांच चल रही है। बिना नक्शा पास कराए किसी भी निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी। सांसद जियाउर्रहमान बर्क को भी इसी क्रम में नोटिस दिया गया है, क्योंकि उनके मकान का निर्माण स्वीकृत नक्शे के बिना हो रहा था।

रिटायर्ड ब्रिगेडियर...

पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। इसी थाना क्षेत्र के काशीराम कॉलोनी में रहने वाली एक महिला के घर से अलमारी में रखा मंगलसूत्र चोरी हो गया। काशीराम कॉलोनी में रहने वाली श्रीमती दुर्गा शर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 9 दिसंबर को अपने घर से लड़की की विदाई के लिए नीचे गई थी। कुछ समय बाद जब है अपने कमरे पर पहुंची तो उसे अलमारी का लॉकर खुला हुआ मिला लॉकर में रखा सोने का मंगलसूत्र गायब था। दुर्गा शर्मा ने पड़ोस में रहने वाली सीमा राम राणा पर चोरी का शक जताते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

बर्थडे पार्टी में हुआ...

बात पर दोनों के बीच वाद विवाद हुआ था। वाद-विवाद इतना बढ़ा कि चिराग ने यतेन्द्र पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

दहेज की खातिर...

बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। ससुराल वाले उसकी बेटी पर मायके से 5 लाख रुपए कैश व सोने के जेवरात लाने का दबाव बनाने लगे।

पूजा गुप्ता ने जब उन्हें इस बात की जानकारी दी तो उन्होंने उसकी सास, नंद, पति व देवर को सोने की चेन और अंगूठियां बनवा कर दी। इसके बावजूद भी उसकी बेटी का उत्पीड़न नहीं थमा। नंदकिशोर गुप्ता के मुताबिक इस दौरान उसे पता चला कि उसके दामाद राहुल गुप्ता को मिर्गी के दौरे पड़ते थे। शादी के समय राहुल के परिजनों ने इस बात को उनसे छुपाकर रखा था। अपनी बेटी की खुशी की खातिर वह अपने दामाद का भी इलाज अपने खर्चे पर करवा रहा था।

नंदकिशोर गुप्ता का आरोप है कि उनकी बेटी को ससुराल वालों ने कई बार मारपीट कर घर से निकाल दिया जिस कारण वह कई-कई महीने अपने मायके में रही थी। बेटी की खुशी की खातिर उसने कई बार आपस में समझौता कराकर उसे ससुराल भेज दिया। बीती शाम उसे ग्रेटर नोएडा के शारदा अस्पताल से फोन आया कि उनकी बेटी की मौत हो गई है। ग्रेटर नोएडा पहुंचने पर उसे पता चला कि उसकी बेटी की फांसी लगाने की वजह से मौत हुई है। नंदकिशोर गुप्ता ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए उसकी बेटी की हत्या करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

'बबली' ने गोल्ड लोन...

पूछताछ में ज्योति शर्मा ने स्वीकार किया कि उसने लालच में 15 लाख रुपए कीमत का गोल्ड लोन पैकेट चुराया है जिसे वह वापस कर देगी। गोल्ड के पैकेट को वापस करने के बहाने वह कंपनी के स्टेट हेड रवि सैनी व उन्हें अपने साथ एक अपार्टमेंट में ले गई और वहां से चकमा देकर फरार हो गई। उन्होंने इसकी सूचना 6 नवंबर को थाने में दी।

असिस्टेंट ब्रांच मैनेजर जितेंद्र सिंह निगम के मुताबिक इस घटना के बाद ब्रांच में रखे गोल्ड लोन पैकेट का ऑडिट किया गया जिसमें पता चला कि ब्रांच मैनेजर ज्योति शर्मा ने करीब 1 करोड़ 7 लाख रुपए का घोटाला किया है। ब्रांच में रखे 32 पैकेट में से करीब 2 किलो गोल्ड का वजन कम पाया गया। इसके बाद इसकी जानकारी जोनल हेड अविनाश अग्रवाल और स्टेट हेड रविमानी को ईमेल के द्वारा दी गई।

यह घोटाला सामने आने पर उन सभी कस्टमर से संपर्क कर जेवरातों का विवरण लिया गया। जिन्होंने कंपनी से लोन लिया हुआ था। इसके बाद ज्योति शर्मा से इस घोटाले के बारे में पूछताछ की गई तो उसने इसे अंजाम देना स्वीकार किया। ज्योति शर्मा ने लिखित रूप में अपनी गलती स्वीकारते हुए कहा कि वह कंपनी से चोरी किए गए गोल्ड को जल्द ही वापस कर देगी। निर्धारित समय बीतने के पश्चात भी ज्योति शर्मा ने कंपनी से चोरी किए गए गोल्ड को वापस नहीं किया।

थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

अब बेसहारों को...

नोएडा प्राधिकरण के उप महाप्रबंधक (सिविल) विजय रावल ने बताया कि सेक्टर-21ए स्टेडियम, सेक्टर-135 बारातघर, मामूरा बारातघर, कोंडली बारातघर, सेक्टर-62 बारात घर, बरौला बारात घर तथा ग्राम सोरखा के पंचायत घर में रैन बसेरा बनाये गये हैं।

इन सभी रैन बसेरों को गददे, कम्बल, पानी, शौचालय, केयरटेकर के अलावा स्वच्छता का भी पूरा ध्यान रखा गया है।

कीया व फॉर्च्यूनर...

फिर दोनों गाड़ियां ही एक्सप्रेस वे से नीचे गिर गई। पवन ने बताया कि फॉर्च्यूनर कार में सवार व्यक्तियों को ज्यादा चोट नहीं आई और वे एक अन्य गाड़ी पर सवार होकर मौके से चले गए। जबकि उसकी कार में सवार उनकी माताजी, पत्नी, बहन और छोटे भाई की पत्नी को चोटे आई हैं। लेकिन स्थिति खतरे से बाहर है। मौके पर पहुंची पुलिस में उन सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

बॉक्सिंग डे टेस्ट के सभी टिकट बिके

मेलबर्न । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले 26 दिससंबर से शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे क्रिकेट टेस्ट मैच को लेकर अभी से ही दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। इसी कारण इस मैच के सभी टिक बिक गये हैं जिससे पता चलता है कि लोगों की इस मैच में कितनी रुचि है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सोशल मीडिय में लिखा, बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के पहले दिन के आम जनता के लिए उपलब्ध सभी टिकट बिक गए हैं हालांकि 24 दिसंबर को आम जनता के लिए कुछ और टिकट जारी किए जा सकते हैं। बॉर्डर गावस्कर सीरीज का पहला मैच भारतीय टीम ने जीता जबकि दूसरा मुकाबला ऑस्ट्रेलिया ने जीता। ऐसे में मेलबर्न में होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट का रोमांचक होना तय है। ऑस्ट्रेलिया के लिए बॉक्सिंग डे टेस्ट का खास महत्व है! क्रिसमस के अगले दिन होने वाले मुकाबले को देखने देख बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। टिकटों की यह मांग ऑस्ट्रेलिया की सीरीज में शानदार वापसी के बाद देखने में आई है। भारतीय टीम ने पर्थ में खेला गया पहला टेस्ट मैच 295 रन से जीता था पर ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में दूसरे टेस्ट मैच को 10 विकेट से जीतकर सीरीज में बराबरी हासिल कर ली।

डीडीसीए पर लगा भ्रष्टाचार का आरोप

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर कीर्ति आजाद ने दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। डीडीसीए अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल कीर्ति आजाद ने डीडीसीए अधिकारियों पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से मिले लगभग 140 करोड़ रुपए का केवल एक हिस्सा ही खर्च किया। वहीं वर्तमान अध्यक्ष रोहन जेटली सहित डीडीसीए के मौजूदा पदाधिकारियों ने अभी तक आजाद के आरोपों का कोई जवाब नहीं दिया है। डीडीसीए की बैलेंस शीट के अनुसार राज्य इकाई को पिछले वित्तीय वर्ष में बीसीसीआई से 70 करोड़ रुपये की अनुदान आय प्राप्त हुई जबकि आईपीएल आय, बीसीसीआई से मैच फीस और अंतरराष्ट्रीय मैचों की टिकट बिक्री सहित अन्य स्रोतों से उसे लगभग 67 करोड़ रुपए की कमाई हुई।

600 मीटर रेस में नंदनी नें जीता ब्रोंज मेडल

वाराणसी । 39 वीं राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप भुवनेश्वर, उड़ीसा में किया गया। इस प्रतियोगिता में वाराणसी जनपद की उत्तर प्रदेश की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए नंदनी राजभर ने 600 मीटर रेस में ब्रॉंज मेडल प्राप्त किया है। एथलेटिक्स प्रशिक्षक चंद्रभान यादव की देखरेख में डॉ भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम लालपुर, वाराणसी में नंदनी नियमित अभ्यास करती है। नंदनी राजभर के ब्रौंज मेडल जीतने पर वाराणसी एथलेटिक संघ के सचिव रमेश यादव एवं क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी विमला सिंह नें खुशी जाहिर की और उसे बधाई एवं शुभकामनायें दी। एथलेटिक संघ एवं खेल विभाग ने कहा कि बनारस की उभरती हुई एथलीट नंदनी राजभर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे चलकर देश का नाम रोशन करेगी।

विनीसियस जूनियर के गोल से रियल मैड्रिड ने अटलांटा को हराया

एजेंसी

बर्गमो। रियल मैड्रिड ने मंगलवार देर रात किलियन एमबाप्पे, विनीसियस जूनियर और जूड बेलिंगहैम के गोलों की बदौलत अटलांटा पर चैंपियंस लीग में 3-2 से जीत हासिल की, जिससे प्रतियोगिता में उनकी लगातार दो मैचों से चली आ रही हार का सिलसिला भी टूट गया।

रियल ने सीरी ए की लीडर टीम को इस सीजन के नए चैंपियंस लीग में पहली हार दी, जब एमबाप्पे ने 10वें मिनट में बॉक्स के अंदर से गोल करके टीम को बढ़त दिलाई हालांकि इसके बाद चोट के कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। मध्यांतर से ठीक पहले चार्ल्स डी केटेलेयर ने पेनाल्टी के जरिए गोल कर अटलांटा को बराबरी दिला दी, लेकिन 56वें मिनट में विनिसियस जूनियर ने रिबाउंड पर गोल कर-के मेहमान टीम को फिर से आगे कर दिया। तीन मिनट बाद बेलिंगहैम ने जवाबी हमला करके अपनी बढ़त को बढ़ाया लेकिन 65वें मिनट में एडेमोला लुकमैन ने गोल करके अंतर को कम किया, जिसके बाद रियल के गोलकीपर थिबॉट कोर्टोइस ने अपना जादू दिखाते हुए लगातार गोल बचाकर टीम को 3-2 से जीत दिला दी।

दो मैच शेष रहते, रियल 36 टीमों की तालिका में नौ अंकों के साथ 18वें स्थान पर है, जो शीर्ष आठ स्थानों से तीन अंक पीछे है, जिससे अंतिम 16 में सीधे प्रवेश सुनिश्चित होता है। अटलांटा 11 अंकों के साथ नौवें स्थान पर है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पहले ब्रिस्बेन पहुंची भारतीय टीम

एजेंसी

ब्रिस्बेन। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के तीसरे टेस्ट मैच से पहले ब्रिस्बेन पहुंच गई। पांच मैचों की सीरीज में दोनों टीमें एक-एक टेस्ट जीतकर बराबरी पर हैं। ट्रैविस हेड के घरेलू मैदान पर शानदार शतक और मिशेल स्टार्क और पैट कमिंस के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में 10 विकेट से जीत हासिल की। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच सीरीज का तीसरा मैच शनिवार से प्रतिष्ठित गाबा में शुरू होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ने टीम इंडिया के एडिलेड से ब्रिस्बेन की यात्रा की एक क्लिप साझा की है। टीम तीसरे टेस्ट मैच में शक्तिशाली ऑस्ट्रेलियाई टीम से भिड़ने के लिए उत्साहित है और आराम के मूड में है।

भारतीय पुरुष और महिला टीमें प्री-क्वार्टर फाइनल में

विश्व स्क्वैश टीम चैंपियनशिप

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए विश्व स्क्वैश टीम चैंपियनशिप 2024 के नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया है। मंगलवार को हांगकांग-चीन में खेले गए मुकाबले में दोनों टीमों ने प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भारतीय महिला टीम ने इटली को 3-0 से हराया जबकि पुरुष टीम कोलंबिया से 1-2 से हार गई, लेकिन कोलंबिया ने आयरलैंड को हराकर नॉकआउट चरण में जगह बनाने में सफलता हासिल की, जिससे भारतीय टीम अपने प्रारंभिक समूह में दूसरे स्थान पर रही। भारतीय पुरुष टीम प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया से भिड़ेगी, जबकि महिला टीम अगले चरण में ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। दोनों वर्गों के प्री-क्वार्टर फाइनल में 12 टीमें होंगी, जिनमें से चार को बाई दिया जाएगा। अपने आखिरी लीग मैच में भारतीय महिला टीम ने इटली को 3-0 से हराया, जिसमें आकांक्षा सालुंखे, अनाहत सिंह और निरुपमा दुबे ने सीधे गेम में अपने-अपने मैच जीते। स्क्वैश रैंकिंग में 206वें स्थान पर काबिज निरुपमा दुबे ने मुकाबले के शुरूआती मैच में बीट्राइस फिलिप्पी को केवल 15 मिनट में 3-0 (11-4, 11-3, 11-1) से हराया। विश्व की 95वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत सिंह ने विश्व की 131वें नंबर की खिलाड़ी क्रिस्टीना टाटारीन को 3-0 (11-3, 11-9, 11-3) से हराकर इसे और मजबूत किया, वहीं, विश्व की 70वें नंबर की खिलाड़ी आकांक्षा सालुंखे ने फ्लाविया मिसेली को 3-0 (11-3, 11-3, 11-1) से हराया। भारतीय पुरुष टीम कोलंबिया से 2-1 से हार गई, लेकिन बाद में आयरलैंड को हराने के बाद भारतीय पुरुष ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे और प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।

रुट के पसंदीदा खिलाड़ी हैं हैरी ब्रूक

एजेंसी

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट अभी विश्व के चार सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं और उनकी गिनती , विराट कोहली, केन विलियमसन और स्टीव स्मिथ जैसे बल्लेबाजों के साथ होती है। वहीं रूट के पसंदीदा खिलाड़ियों में विराट विलियमम्स और स्मिथ नहीं बल्कि एक नया बल्लेबाज हैरी ब्रूक है। ब्रूक ने हाल हीम में न्यूजीलैंड के खिलाफ शतकीय पारी खेली। इस पारी के बाद ही रूट उनके प्रशंसक हो गये। इस अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि ब्रूक का बल्लेबाजी करने का स्टाइल ही उन्हें सबसे अलग और श्रेष्ठ बनाता है। रूट ने कहा कि, अगर आप मुझसे पूछें तो ब्रूक इस समय दुनिया के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उनका खेल हर तरह से जबरदस्त है। वह दबाव को अच्छी तरह से झेल सकते हैं। विपक्षी टीम पर दबाव डाल भी सकते हैं। वह गेंदबाज के सिर के ऊपर से छक्का भी जड़ सकते हैं साथ ही वह स्पिन और सीम दोनों पर जमकर प्रहार कर सकते हैं। इसलिए उन्हें गेंदबाजी करना सबसे कठिन है। ब्रूक न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के शुरूआती दो मैचों में इंग्लैंड की जीत के हीरो रहे। उन्होंने दो टेस्ट मैचों में 171,123 औ? 55 रन की अर्धशतकीय पारी खेली है। ब्रूक ने अभी तक अपने करियर में 23 टेस्ट मैच खेले हैं और 61.62 की शानदार औसत से 2280 रन बनाए हैं।

सिराज को समझाएं भारतीय टीम के सीनियर गेंदबाज : टेलर

एजेंसी

एडिलेड । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर का मानना है कि भारतीय टीम के सीनियर खिलाड़ियों का युवा तेज गेंदबाज मो सिराज को समझाना चाहिये कि अंपायर के फैसले का इंतजार किए बिना विकेट का जश्न मानना गलत है। टेलर ने ये बात इसलिए कही क्योंकि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड में खेले गये दिन-रात के दूसरे टेस्ट में सिराज की मेजबान बल्लेबाज ट्रेविस हेड से बहस हुई थी। इसी को लेकर टेलर ने कहा कि सिराज को जब लगता है कि बल्लेबाज आउट है तो वह अंपायर का फैसला आने से पहले ही जश्न मनाने के लिए अपने साथियों की तरफ दौड़ पड़ते हैं। टेलर ने कहा, इसलिए मैं चाहूंगा कि उनकी टीम के सीनियर साथी उनसे बात करें। उन्होंने कहा, मुझे उसका जोश पसंद है, मुझे उसका प्रतिस्पर्धी स्वभाव पसंद है। मुझे यह तथ्य पसंद है कि हमारे पास वास्तव में एक अच्छी सीरीज चल रही है पर खेल का सम्मान भी है जिसे बनाए रखने की जरूरत है। एडिलेड में गुलाबी गेंद से खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में हेड से बहस करने के बाद सिराज पर उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुमार्ना भी लगा। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 10 विकेट से जीतकर पांच मैच की सीरीज 1झ1 से बराबर की। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज साइमन कैटिच का मानना है कि सिराज के दिमाग ने कुछ देर के लिए काम नहीं किया।

केविन कुरेन का बेटा बेन जिम्बाब्वे टीम में शामिल

हरारे । जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेटर केविन कुरेन के बेटे बेन कुरेन को अफगानिस्तान के खिलाफ सीमित ओवरों की टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। बाएं हाथ के बल्लेबाज बेन कुरेन ने साल 2018 से 2022 के बीच नॉर्थम्पटनशायर के लिए खेला है। उनके नाम घरेलू प्रतियोगिताओं में 50 ओवर और लाल गेंद वाली घरेलू प्रतियोगिताओं में सबसे अधिक रन हैं। केविन कुरेन ने साल 2005 से 2007 तक जिम्बाब्वे के मुख्य कोच रहने से पहले 1983 और 1987 के बीच जिम्बाब्वे के लिए 11 एकदिवसीय मैच खेले थे। उनके भाई टॉम और सैम ने इंग्लैंड के लिए तीनों प्रारूपों में खेला है। टॉम 2019 एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड टीम के सदस्य थे।

रोहित आने वाले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे : परांजपे

एजेंसी

नई दिल्ली । पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता जतिन परांजपे के अनुसार सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा भले ही दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में विफल रहे हों पर वह बचे हुए तीन मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। रोहित दिन-रात के दूसरे टेस्ट में मध्यक्रम में उतरे थे और दोनो ही पारियों में मिलाकर भी दो अंकों तक नहीं पहुंच पये। इससे पहले न्यूजीलैंड सीरीज में भी वह असफल रहे थे। इससे उनके पिछले 6 टेस्ट की औसत घटकर 11.83 हो गई है। रोहित को अपने गेंदबाजों का सभी तरीके से उपयोग नहीं करने के कारण भी आलोचना का सामना करना पड़ा था।

परांजपे ने कहा कि पिछली कुछ टेस्ट पारियों में उनका प्रदर्शन बहुत खराब रहा है पर मुझे लगता है कि फॉर्म अस्थायी है और क्लास स्थायी है। मुझे रोहित के अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर भरोसा है क्योंकि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि वह मुंबई के खिलाड़ी हैं। जब चीजें कठिन होती हैं तो वे आपके खिलाफ जीत हासिल करने के लिए जाने जाते हैं। मुझे लगा कि एडिलेड में इस टेस्ट मैच में वह थोड़ा खराब थे पर मुझे भरोसा है कि वह वापसी करेंगे। उनकी बल्लेबाजी में कुछ भी गलत नहीं है, बस उन्हें मैदान पर एक या दो घंटे टिककर खेलने की जरूरत है। परांजपे ने कहा, रोहित को 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में सलामी बल्लेबाज के रूप में वापसी करनी चाहिए। सलामी बल्लेबाज के स्थान पर वापस आना उनके लिए एक आरामदायक क्षेत्र है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि वह यशस्वी जायसवाल के साथ शीर्ष स्थान पर वापस आएंगे। वहीं केएल राहुल को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेज जाएगा। मैंने यह भी सोचा कि पहले कुछ दिनों में वह अपनी कप्तानी में थोड़ा कमजोर थे और मुझे भरोसा है कि वह आने वाले तीन मैचों में अपनी पुराने अंदाज में दिखेंगे। वहीं परांजपे ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस की कप्तानी की प्रशंसा करते हुए कहा कि पिछले 3 से 4 साल में वह विश्व क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ कप्तान के तौर पर उभरे हैं। एडीलेड में उन्होंने दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर बेहतरीन गेंदबाजी की थी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही टी20 में हारी पाकिस्तान

▶ आजम खाता भी नहीं खोल पाये

एजेंसी

जोहासंबर्ग। पाकिस्तान क्रिकेट टीम को मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही टी20 मैच में 11 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। तीन मैचों की इस सीरीज के पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका ने डेविड मिलर के 82 और जॉर्ज लिंडे के 48 रनों की आक्रामक पारी के बल पर 9 विकेट पर 183 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम ने 8 विकेट पर 172 रन ही बनाये। पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान 74 रनों को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज नहीं टिक पाया। अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम भी शून्य पर ही आउट हो गये। रिजवान के साथ पारी की शुरूआत करने उतरे आजम ने 4 गेंद खेली और पेवेलियन वापस लौट गए। सईम अयूब ने 15 गेंदों पर 31 रन बनाये और अपना विकेट खो दिया। रिजवान ने 50 गेंदों पर अर्धशतक लगाया वह 74 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पाये। इस मैच में मेजबान टीम के ऑलराउंडर जॉर्ज लिंडे छाये रहे। जॉर्ज ने पहले 21 रन देकर 4 विकेट लिए और इसके बाद बल्लेबाजी के दौरान 24 गेंदों पर ही 3 चौके और 4 छक्के लगाकर 48 रन बनाये। वहीं अनुभवी आक्रामक बल्लेबाज मिलर ने इस मैच में 8 छक्के और 4 चौके लगाकर सबसे अधिक 82 रन बनाये।

आईपीएल फ्रैंचाइजियों का राजस्व हुआ दोगुना

एजेंसी

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) विश्व क्रिकेट की सबसे अमीर लीग है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि शीर्ष 10 फ्रैंचाइजी का संयुक्त राजस्व वित्त वर्ष 24 में 3082 से दोगुना होकर 6797 करोड़ पहुंच गया है। इसका कारण इस मीडिया राइट्स को बताया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने साल 2022 में डिजनी स्टार और वायाकॉम 18 के साथ साल रिकॉर्ड 48 हजार 390 करोड़ का मीडिया राइट्स का करार किया था। मीडिया राइट्स के अलावा बीसीसीआई को टाटा ग्रुप, माई11सर्कल, सिएट और एंजेलवन सहित प्रमुख ब्रांडों के साथ बहु-वर्षीय प्रायोजन समझौतों से भी 4 हजार करोड़ से अधिक की कमाई होती है। बीसीसीआई की बढ़ती कमाई का एक कारया ब्रांड वैल्यू का बढ़ना भी है। आईपीएल का ब्रांड मूल्य साल 2023 की तुलना में 2024 में 13 फीसदी बढ़कर 12 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो 2009 में इसके 2 बिलियन डॉलर के मूल्यांकन से छ गुना अधिक है। विशेष रूप से 4 फ्रैंचाइजी- चेन्नई सुपर किंग्स (सी.एस.के.), मुंबई इंडियंस (एम.आई.), रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आर.सी.बी.), और कोलकाता नाइट राइडर्स (के.के.आर.) की ब्रांड वैल्यू 100 मिलियन डॉलर से आगे निकल गयी है। टीम प्रायोजन में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई, जिससे वित्तीय स्थिरता बढीं। इसके अलावा, टिकटों की ऊंची कीमतों और स्टेडियम भरे होने से भी लाभ हुआ है। गुजरात टाइटास 776 करोड़ के साथ सबसे ऊपर है। वित्त वर्ष 23 में उनका राजस्व 359 करोड़ था। वहीं मुंबई इंडियंस 737 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर है।

नंबर वन बल्लेबाज बने हैरी ब्रूक, गेंदबाजों में बुमराह शीर्ष पर बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली। हैरी ब्रूक ने बुधवार को जो रूट को पछाड़कर नवीनतम आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। वहीं गेंदबाजों की सूची में जसप्रीत बुमराह शीर्ष पर बने हुए हैं। आईसीसी ने एक बयान में कहा, ₹टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बदलाव हुआ है, जबकि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के सितारों ने अद्यतन सूची में बड़ी बढ़त हासिल की है। पिछले हफ्ते वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने आठवें टेस्ट शतक के दम पर ब्रूक ने रूट को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया, इंग्लैंड के दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने अब रैंकिंग में रूट पर एक अंक की बढ़त बना ली है। ब्रूक के कुल 898 रेटिंग अंक हैं, जबकि रूट के 897 अंक हैं। रूट ने इस साल जुलाई में न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया था और अपने शानदार करियर में कुल नौ बार पहले स्थान पर रहे हैं। ब्रूक ने बेसिन रिजर्व में ब्लैक कैप्स पर इंग्लैंड की 323 रनों की प्रभावशाली जीत के दौरान 123 और 55 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टार ट्रैविस हेड छह पायदान ऊपर पांचवें स्थान पर और दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा तीन पायदान ऊपर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। पूर्व नंबर 1 रैंक वाले बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन तीन पायदान ऊपर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के दाएं हाथ के बल्लेबाज दिनेश चांदीमल (दो पायदान ऊपर 15वें स्थान पर) और दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर काइल वेरिन (15 पायदान ऊपर 23वें स्थान पर) भी टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में ऊपर चढ़े हैं। टेस्ट गेंदबाजों की सूची में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी एक स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर हैं। मिशेल स्टार्क (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर), क्रिस वोक्स (दो स्थान ऊपर चढ़कर 15वें स्थान पर) और गस एटकिंसन (चार स्थान ऊपर चढ़कर 17वें स्थान पर) भी रैंकिंग में आगे बढ़े हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज (चार स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर) शीर्ष 20 में वापस आ गए हैं। भारत के स्पिनर रवींद्र जडेजा ऑलराउंडरों की टेस्ट रैंकिंग में नंबर 1 पर बने हुए हैं। वनडे रैंकिंग में वेस्टइंडीज के दो खिलाड़ियों ने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज के पहले दो मैचों के बाद बढ़त हासिल की है। शाई होप बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान के सुधार के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं और उनके साथी गुडाकेश मोती गेंदबाजों की सूची में चार स्थान की छलांग के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। अपडेट की गई टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में पाकिस्तान के लिए भी कुछ खुशी है, कप्तान मोहम्मद रिजवान बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान की छलांग के साथ छठे स्थान पर पहुंच गए हैं और तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी गेंदबाजों की सूची में छह स्थान की छलांग के साथ 20वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

पर्थ में भारतीय महिला टीम की अरुंधति रेड्डी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में विकेट मिलने पर उत्साहित होती हुई।

सुनील पाल के बाद अभिनेता मुश्ताक खान ने किया किडनैपिंग का दावा

मुंबई। पहले हास्य अभिनेता सुनील पाल के किडनैप की खबरें आई। उनका मामला सुलझता इससे पहले वेलकम फिल्म के अभिनेता मुश्ताक खान ने भी अपनी किडनैपिंग का दावा किया है। अभिनेता ने बताया कि उनका अपहरण दिल्ली-मेरठ हाईवे से किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह घटना 20 नवंबर को हुई, जब मुश्ताक खान को मेरठ में एक पुरस्कार समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। अपहरणकर्ताओं ने अभिनेता को फंसाने के लिए एक कार्यक्रम में आमंत्रित किया और उनकी फ्लाइट टिकट की व्यवस्था करने के साथ-साथ उनके खाते में अग्रिम भुगतान भी ट्रांसफर कर दिया। अभिनेता के मुताबिक, जब वह दिल्ली-मेरठ हाईवे पर पहुंचे, तो अपहरणकर्ताओं ने उन्हें अगवा कर लिया और बिजनौर के पास एक सुनसान इलाके में ले गए। वहां उन्हें करीब 12 घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया। अपहरणकर्ताओं ने अभिनेता और उनके बेटे के बैंक खाते से 2 लाख रुपये निकालने के बाद 1 करोड़ रुपये की फिरौती की मांग की। मुश्ताक खान ने बताया कि उनका बच निकलने का तरीका बिल्कुल फिल्मी था। पास में एक मस्जिद होने के कारण, उन्होंने सुबह की अजान सुनी और उसी मौके का फायदा उठाते हुए वहां से भागने में सफल रहे। स्थानीय लोगों से मदद लेकर वह घर पहुंचने में कामयाब हुए। इसके बाद, वह पुलिस के पास गए और सारा मामला समझाकर उनसे मदद मांगी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। मुश्ताक खान की हालत अब ठीक है, और वह जल्द ही मीडिया से बात कर इस घटना के बारे में विस्तृत जानकारी देंगे।

राजस्थान के दौसा में बोरवेल में गिरे बच्चे को बचाने के प्रयास जारी

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में बोरवेल में गिरे पांच साल के बच्चे को बचाने का अभियान बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। अधिकारियों ने बताया कि बच्चा बोरवेल में सोमवार करीब तीन बजे से 150 फुट की गहराई पर फंसा हुआ है और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने बचाव अभियान के तहत बोरवेल के समानांतर जमीन खोदी है। एनडीआरएफ के कमांडेंट योगेश कुमार ने बताया कि 'ड्रिलिंग' मशीनों से 110 फुट तक खुदाई की जा चुकी है और काम जारी है। उन्होंने कहा, फिर हम क्षैतिज रूप से बोरवेल में बच्चे के पास पहुंचेंगे। उन्होंने कहा, चुनौती यह है कि हम 150 फुट तक जा सकते हैं, उससे आगे नहीं। एनडीआरएफ बचावकर्मी बच्चे को बचाने के लिए सुरक्षात्मक उपकरणों के साथ नीचे जाएंगे। कमांडेंट ने बताया कि इलाके में 160 फुट पर पानी हो सकता है इसलिए इलाके में सबमर्सिबल पंप शुरू कर दिए गए हैं, ताकि बचाव अभियान में भूमिगत जल से कोई बाधा न हो। उन्होंने बताया कि जमीन के अंदर भाप होने के कारण टीम को बोरवेल में उतारे गए कैमरे से बच्चे की गतिविधियां पता लगाने में दिक्कत आ रही है। उन्होंने कहा कि ड्रिलिंग मशीनों ने 110 फीट तक खुदाई की है और योजना 150 फुट की गहराई तक जाने की है जहां बच्चा फंसा हुआ है। दौसा जिले के पापडदा थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर पांच वर्षीय आर्यन कालीखाड़ गांव में एक कृषि क्षेत्र में खेलते समय खुले बोरवेल में गिर गया था।

पति का कर्ज चुकाने पत्नी ने कलेजे के टुकड़े को बेच दिया

-डेढ़ लाख में एक माह के नवजात को बेचा

नई दिल्ली। कर्नाटक के रामनगर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक महिला ने अपने 30 दिन के नवजात बेटे को डेढ़ लाख रुपये में महज इसलिए बेच दिया, ताकि पति का कर्ज चुका सके। घटना के संबंध में बतलाया गया है कि महिला के पति ने पहले पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उनका बेटा घर से लापता है और उन्हें उसके गायब होने में अपनी पत्नी पर ही शक है। पति की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की और पता चला कि महिला ने अपने नवजात बेटे को बेंगलुरु की एक महिला को बेचा था। महिला और उसके पति दोनों दिहाड़ी मजदूर थे और पांच बच्चों के साथ बेहद कठिन आर्थिक स्थिति का सामना कर रहे थे, जिस कारण उन पर तीन लाख रुपये से ज्यादा का कर्ज था। महिला के पति ने पहले ही अपने नवजात को बेचने का प्रस्ताव ठुकरा दिया था, लेकिन महिला ने अपने दो सहयोगियों की मदद से बच्चे को बेंगलुरु में एक महिला को बेच दिया। 5 दिसंबर को जब महिला का पति घर लौटा, तो उसने देखा कि बच्चा गायब था। पत्नी ने बताया कि बच्चे को स्वास्थ्य समस्याएं थीं और उसे डॉक्टर के पास भेजा गया था। हालांकि, जब उसने और अधिक जानकारी मांगी तो पत्नी का जवाब संदेहास्पद था, जिससे पति को शक हुआ। इस पर 7 दिसंबर को पति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जब पुलिस ने महिला से पूछताछ की तो उसने पहले तो गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन गहन पूछताछ के बाद उसने स्वीकार किया कि उसने अपने बेटे को डेढ़ लाख रुपये में बेचा था। पुलिस ने तुरंत बेंगलुरु जाकर बच्चे को बरामद किया। पुलिस ने महिला, उसके दो सहयोगियों और बच्चे की खरीदी करने वाली महिला को गिरफ्तार कर लिया है। बच्चे को बचाकर मंड्या के बाल कल्याण केंद्र भेज दिया गया है।

जब जज ने ही जमानत के लिए पांच लाख रुपये की रिश्वत ली !

मुंबई। न्यायपालिका से न्याय मिलने की एक बड़ी उम्मीद आम लोगों को रहती है और कई ऐसे मामले सामने आए हैं जब लोगों को न्यायपालिका से ही न्याय मिला है। लेकिन इन दिनों न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की जड़े जमने की खबर भी गाहे बगाहे सामने आती रहती है। शायद यही वजह है कि जनता का विश्वास न्यायपालिका को लेकर डगमगाने लगा है। जी हाँ, जब न्याय करने वाले जज ही पैसे लेकर न्याय देंगे तो सोचिये स्थिति कैसी आ जाएगी। दरअसल रिश्वत लेने की घटना महाराष्ट्र के सतारा में घटी है। खबर है कि जज ने जमानत देने के लिए 5 लाख रुपये की रिश्वत ली। इस मामले में भ्रष्टाचार निरोधक विभाग (एंटी करप्शन) ने सतारा जिला न्यायलय के जज के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जज को गिरफ्तार करने के लिए हाईकोर्ट को पत्र भेजा गया है और हाईकोर्ट के आदेश के बाद ही जज को गिरफ्तार किया जाएगा। खबर है कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश धनंजय निकम समेत तीन लोगों पर मामला दर्ज किया गया है।

डांटने और धमकाने का काम कर रहे धनखड़

-खड़गे ने प्रेस वार्ता में सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के कारण गिनाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को प्रेस वार्ता में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के कारण गिनाए। उन्होंने कहा कि मजबूर होना पड़ा, क्योंकि उनके आचरण ने राष्ट्र के गौरव को हानि पहुंचाई है।

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सदन में विपक्ष की आवाज को दबाया जाता है। सभापति तो राजनीति से परे होते हैं, लेकिन यहां वो आरएसएस की तारीफ करते हैं। सभापति को पूरी तरह से निष्पक्ष होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का मकसद व्यक्तिगत शिकायतें या राजनीतिक लड़ाई से जुड़ा नहीं है। वहीं मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि राज्यसभा अध्यक्ष स्कूल के प्रधानाध्यापक की तरह डांटते हुए काम करते हैं, वरिष्ठ अनुभवी विपक्षी नेताओं को वे उपदेश देते हैं, उन्हें बोलने से रोक देते हैं। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में व्यवधान का सबसे बड़ा कारण तो स्वंय अध्यक्ष हैं। वे सभापति कम और सरकार के प्रवक्ता के रूप में ज्यादा काम कर रहे हैं।

इसी के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सदन में राज्यसभा अध्यक्ष के आचरण ने देश की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। हम व्यक्तिगत तौर पर राज्यसभा अध्यक्ष के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि उन्होंने खुद ही हमें उन्हें हटाने के लिए नोटिस देने के अलावा कोई विकल्प नहीं छोड़ा है। हम सभापति के व्यवहार और पक्षपात पूर्ण रवैये से तंग आ चुके हैं, इसीलिए उन्हें हटाने के लिए हमने नोटिस दिया हुआ है। कुल मिलाकर उन्होंने कहा कि धनखड़ का आचरण उनके संवैधानिक दायित्वों और उपराष्ट्रपति पद की गरिमा के खिलाफ रहा है। उन्होंने कहा कि धनखड़ ने अपने पद का उपयोग सत्तारूढ़ दल की नीतियों की प्रशंसा करने और विपक्ष को दबाने के लिए किया है। खड़गे ने कहा, एक संवैधानिक पद पर रहते हुए धनखड़ ने तटस्थता को दरकिनार कर, सरकार के प्रवक्ता जैसा व्यवहार किया है। विपक्ष के नेताओं को अपमानित करना और उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करना लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है।

दुखी मन से लाए अविश्वास प्रस्ताव......

-प्रमोद तिवारी ने कहा विपक्ष को चुप कराया जा रहा

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को लेकर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, कि भारी मन और बड़े दुख के साथ हम भारतीय संविधान के अनुच्छेद 67 बी के तहत यह अविश्वास प्रस्ताव को पेश करने के लिए बाध्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह महज मौजूदा एक सत्र की बात नहीं, बल्कि कई सत्रों से ऐसा चल रहा है। हमने देखा है कि विपक्ष के नेताओं को बोलने ही नहीं दिया जाता, पूरे विपक्ष को चुप करा दिया जाता है। सत्ता पक्ष के नेता किरेन रिजिजू तो बोल सकते हैं लेकिन दूसरे को बोलने का मौका ही नहीं दिया जाता। यह सरकार लोकतंत्र में

विश्वास ही नहीं रखती। उन्होंने कहा कि जब सदन में हम नियमों के तहत अपनी बात ही नहीं रख सकते तो अविश्वास प्रस्ताव लाने के अलावा हमारे पास दूसरा कोई विकल्प नहीं था। इसलिए यह अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। गौरतलब है कि 10 दिसंबर को राज्यसभा में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का फैसला लिया था। इसके बाद ही इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने राज्यसभा के सेक्रेटरी जनरल को प्रस्ताव सौंपा है।

पीएम नरेंद्र मोदी जल्द जा सकते हैं कुवैत, अल-याह्या ने पिछले हफ्ते की थी मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी जल्द ही कुवैत की यात्रा पर जा सकते हैं। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पश्चिम एशियाई देश की पहली यात्रा होगी। इस समय खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) की अध्यक्षता भी कुवैत कर रहा है। पिछले हफ्ते कुवैत के विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या ने अपनी भारत यात्रा के दौरान पीएम मोदी से मुलाकात की थी। उन्होंने कुवैत नेतृत्व की ओर से पीएम मोदी को निमंत्रण दिया था। पीएम मोदी ने निमंत्रण को स्वीकार कर लिया था।

कुवैत एकमात्र जीसीसी सदस्य देश है जहां पीएम मोदी ने 2014 में पदभार संभालने के बाद से अब तक दौरा नहीं किया है। कोविड महामारी के कारण 2022 में प्रस्तावित यात्रा पर नहीं जा सके थे। जीसीसी में कुवैत के अलावा संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, सऊदी अरब, ओमान और कतर देश शामिल हैं। पीएम मोदी ने सितंबर में, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से मुलाकात की थी। यह दोनों नेताओं के बीच पहली बैठक थी।

पिछले सप्ताह भारत की यात्रा पर आए कुवैत के विदेश मंत्री के साथ चर्चा के दौरान पीएम मोदी ने विश्वास व्यक्त किया था कि कुवैत की जीसीसी की वर्तमान अध्यक्षता के अंतर्गत भारत और खाड़ी सहयोग परिषद के बीच घनिष्ठ सहयोग और मजबूत होगा। पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान करते हुए पीएम मोदी ने क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की जल्द वापसी के लिए समर्थन जताया था। उन्होंने कुवैत में रहने वाले दस लाख भारतीयों की देखभाल के लिए कुवैत के नेतृत्व को धन्यवाद दिया।

ममता बनर्जी का केंद्र में पद पाना नहीं, बल्कि बीजेपी को हराना है लक्ष्य

इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व को लेकर कुणाल घोष ने दी प्रतिक्रिया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व करने में रुचि दिखाई है। इस पर जारी बयानबाजी के बीच तृणमूल कांग्रेस नेता कुणाल घोष ने कहा है कि केंद्र में कोई पद पाने में ममता बनर्जी की कोई रुचि नहीं है, वह बस बीजेपी को हराने का लक्ष्य लेकर चल रही हैं।

कुणाल घोष ने कहा कि बंगाल में टीएमसी ने बीजेपी को रोक दिया, झारखंड में हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बीजेपी को रोक दिया, लेकिन हरियाणा और महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी ऐसा करने में सफल नहीं हो सकी है। वहां पर मुख्य रूप से बीजेपी को रोकने की जिम्मेदारी कांग्रेस पर थी लेकिन वह असफल रही। इसलिए वरिष्ठ नेता कह रहे हैं कि बीजेपी को रोकने

के लिए ममता बनर्जी जैसे अनुभवी और प्रभावी नेतृत्व को आगे आना चाहिए।

टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने कहा है कि बंगाल के मुर्शिदाबाद में हम बाबरी मस्जिद बनाएंगे। इस पर घोष ने कहा कि यह उसका निजी विषय है। अगर कोई चाहता है तो वह अपनी जमीन पर मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, गुरुद्वारा कुछ भी बनवा सकता है। इस पर वह कोई राजनीतिक टिप्पणी नहीं करेंगे। कोई व्यक्ति घर के अंदर पूजा करता है या नमाज पढ़ता है यह उसके धर्म की बात है।

वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर कुणाल घोष ने कहा कि सीएम ममता बनर्जी साफ-साफ कह चुकी हैं कि हमारा देश विविधता में एकता पर यकीन करता है। हर राज्य का अपना इतिहास है, एक राजनीतिक छाप है। सारा चुनाव एक साथ कैसे होगा। सब चीज गलत हो जाएगी। कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुए रेप और मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई मार्च में है। इस मुद्दे पर घोष ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की नजर में सब ठीक है। जांच सही से हुई, सही से आरोपपत्र दाखिल किया गया, ट्रायल भी सही चल रहा है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने कोई नजदीक की तारीख देनी जरूरी नहीं समझी।

ईएमआई से ज्यादा पत्नी के गुजारा भत्ते को दें प्राथमिकताः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पत्नी को दिए जाने वाले गुजारा भत्ता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि लोन की ईएमआई कितनी है, कब देनी है इन सबसे ज्यादा प्राथमिकता पत्नी को गुजारा भत्ता देने की होना चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भूयान की बेंच ने यह फैसला एक पति की याचिका को खारिज करते हुए दिया। पति, जो एक डायमंड फैक्ट्री का मालिक है, ने अदालत से अनुरोध किया था कि वह अपनी अलग हो चुकी पत्नी को बकाया गुजारा भत्ता देने में असमर्थ है, क्योंकि उसकी फैक्ट्री घाटे में चल रही है और उस पर भारी कर्ज है।

अदालत ने स्पष्ट किया कि तलाकशुदा पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी पति की संपत्ति पर प्राथमिक अधिकार रखती है। अदालत ने कहा, जीने का अधिकार, सम्मान के साथ जीने का अधिकार, और एक बेहतर जीवन का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित हैं। इन अधिकारों के तहत गुजारा भत्ता मौलिक अधिकार के समान है और किसी भी देनदार के कर्ज की वसूली के अधिकार से अधिक महत्वपूर्ण है। फैसले में कहा गया कि महिला के पूर्व पति को जल्द से जल्द बकाया गुजारा भत्ता

चुकाना होगा। यदि पति इसमें विफल रहता है, तो परिवार अदालत उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर सकती है, जिसमें पति की अचल संपत्ति की नीलामी करके पत्नी को भुगतान सुनिश्चित करना शामिल है।

कांग्रेस अराजकता फैलाने वालों के साथ पसंद करती है बैठना

संभल हिंसा पीड़ितों से मिलने पर बीजेपी सांसद ने राहुल-प्रियंका को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के संभल हिंसा पीड़ितों ने दिल्ली में राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी से मुलाकात की। यह मुलाकात बीजेपी को पंसद नहीं आई और सासंद अनुराग ठाकुर ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति और कांग्रेस का यह चेहरा एक बार फिर बेनकाब हुआ है। उन्हें हमास और फिलिस्तीन तो दिखता है, लेकिन बांग्लादेश के अल्पसंख्यक नहीं दिखते। वे अराजकता फैलाने वालों के साथ बैठना पसंद करते हैं, लेकिन शांति को बढ़ावा देने के लिए कभी आगे नहीं आते। मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से कहूंगा कि कुछ लोगों के संसद में चरण पड़ने से संसद की कार्यवाही बाधित हो गई है।

अनुराग ने दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि हर बूथ को मजबूत करें, ताकि दिल्ली की जनता की मांग को पूरा किया जा सके, जिससे भ्रष्ट और निकम्मी आम आदमी पार्टी सरकार से मुक्ति दिल्ली की जनता को मिल सके। जब बूथ जीतेंगे तो हम चुनाव जीतेंगे। मैं बस इतना ही कहूंगा कि जब आम आदमी पार्टी और कांग्रेस अगला चुनाव हारेंगे तो वे एक बार फिर ईवीएम को दोष देने का बहाना ढूंढ लेंगे। वे हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनाव हार गए और जहां भी हारे, उन्होंने ईवीएम को दोषी माना। सच्चाई यह है कि जनता उनकी नीतियों और भ्रष्टाचार से तंग आ चुकी है।

अनुराग ठाकुर ने दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता अनिल गुप्ता के न्यू शाहदरा स्थित आवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने बीजेपी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए स्टीकर और झंडा लगाया। उन्होंने मेरा बूथ सबसे मजबूत का नारा बुलंद किया और आगामी चुनावों में बीजेपी की जीत का संकल्प लिया।

बांग्लादेश जेल से भागे अपराधियों ने बनाया नया आतंकी संगठन

-भारत-बांग्लादेश सीमा पर दे सकते हैं बड़ी वारदात को अंजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश बार्डर पर आतंक की साजिश का खुलासा हुआ है जिसमें कुख्यात आतंकी संगठन हरकत उल जेहाद भी शामिल है। बांग्लादेश की जेल से भागे अपराधियों और आतंकवादियों ने एक गिरोह बना लिया हैं और ये भारत-बांग्लादेश सीमा पर आतंकी वारदात को अंजाम देने की तैयारी कर रहे हैं। खुलासे से पता चला है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के तीन सलाहकार भी इस संगठन के समर्थक हैं।

सूत्रों के मुताबिक भारत-बांग्लादेश सीमा पर बड़ा आतंकवादी हमला हो सकता है और भारतीय सुरक्षा बलों पर घात लगाकर गोलीबारी की जा सकती है। इसके लिए बांग्लादेश में जेल से भागे हुए अपराधियों और आतंकवादियों का एक 50 सदस्यीय संगठन तैयार कर लिया है। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक इस संगठन को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और बांग्लादेश की

अंतरिम सरकार के बेहद प्रभावशाली लोगों का समर्थन भी मिला है।

आईएसआई नहीं चाहती कि भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव कम हो। यही कारण है कि इस नए आतंकवादी संगठन को हथियारों के साथ-साथ पैसा भी दिया जा रहा है। पैसे के लालच में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के तीन सलाहकार भी इस संगठन से जुड़ गए हैं यानी आने वाले दिनों में यह संगठन भारत-बांग्लादेश सीमा पर किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकता है जिससे तनाव और बढ़ सकता है।

एक रिपोर्ट में साफ तौर पर लिखा है कि इस ग्रुप में पाकिस्तान में आतंक देने वाली ट्रेनर भी शामिल है। सीमा पर या भारत के अंदर कोई भी बड़ी आतंकी वारदात कर भारत-बांग्लादेश के सबंधों को खराब करने की कोशिश है कि माहौल सुधर ही न सके। इस पूरी रणनीति के पीछे पाकिस्तान की एक तीर से दो निशाने करने की रणनीति भी शामिल है।

मुंबई की शान कही जाने वाली काली-पीली टैक्सियों घटी, अब केवल बची हैं 13,000 टैक्सियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई, (ईएमएस)। एक जमाने में मुंबई की शान कही जाने वाली और प्रायः हर फिल्मों में नजर आने वाली काली-पीली टैक्सियां अब लुप्त होती जा रही है. आलम यह है कि फिलहाल मुंबई शहर में महज 13,000 टैक्सियां बची हैं और संभावना जताई जा रही है कि अगर यही हाल रहा तो आने वाले समय में मुंबई की सड़कों पर आपको काली-पीली टैक्सियां नजर नहीं आएगी. दरअसल मुंबई की सबसे बड़ी एसोसिएशन, मुंबई टैक्सीमेन एसोसिएशन के अनुसार, मुंबई में चलने वाली काली-पीली टैक्सियों की संख्या पिछले साल 20,000 से घटकर अब 13,000 हो गई है। इसका मुख्य कारण चालकों द्वारा लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं कराया जाना है।

एसोसिएशन के अनुसार, कुछ ड्राइवर पर्यटक लाइसेंस लेने और ओला/उबर जैसी ऐप-आधारित सेवाओं से जुड़ने या निजी यात्री परिवहन व्यवसाय की ओर रुख करने का विकल्प चुन रहे हैं। साथ ही टैक्सी ड्राइवरों की कमी बढ़ती जा रही है क्योंकि कई ड्राइवर परिवारों की युवा पीढ़ी इस पेशे में आने के लिए तैयार नहीं है। मुंबई टैक्सीमेन एसोसिएशन के अनुसार, अपने पुराने और जर्जर वाहनों को बेचने के लिए संघर्ष कर रहे ड्राइवरों को नई और महंगी टैक्सियों के लिए ऋण प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उदाहरण के लिए, ओमनी टैक्सियाँ जो बड़ी संख्या में चलती थीं अब लगभग विलुप्त हो चुकी हैं। कुछ ड्राइवरों ने इको-टैक्सी अपना ली है, जबकि अन्य ने यह व्यवसाय छोड़ दिया है क्योंकि उन्हें लगता है कि यह व्यवसाय लाभदायक नहीं है। वहीं स्वाभिमान ऑटो टैक्सी यूनियन के मुताबिक, अगले साल के अंत तक काली-पीली टैक्सियों की संख्या और कम होने की संभावना है, क्योंकि इन्हें सड़कों से चरणबद्ध तरीके से हटाया जा रहा है। पहले व्यावसायिक क्षेत्रों के स्टैंडों पर 20-30 टैक्सियाँ खड़ी होती थीं, अब वहाँ केवल 5-10 टैक्सियाँ खड़ी होती हैं। मालूम हो कि मुंबईकरों का आज भी काली-पीली टैक्सियों से भावनात्मक जुड़ाव है। क्योंकि काली-पीली टैक्सी के ड्राइवर को शहर की सड़कें और शॉर्टकट अच्छे से पता हैं। लेकिन सड़क चौड़ीकरण और बुनियादी ढांचे के काम के कारण, टैक्सियों के लिए स्टैंड की संख्या कम हो गई है और लगभग 5 से 10 हजार स्टैंड की आवश्यकता है। इसके अलावा, दैनिक आधार पर लगने वाले जुर्माने से ड्राइवरों को परेशानी होती है। एक बार 500 रुपये और दूसरी बार 1,500 रुपये का जुर्माना, जो उनकी दैनिक आय से अधिक है। मालूम हो कि दो दशक पहले काली-पीली प्रीमियर पद्मिनी टैक्सियों की संख्या 63,000 थी। अब ये सभी टैक्सियां ??हटा दी गई हैं। इसी तरह, ओमनी

टैक्सियों की संख्या में भी कमी आई है और मुंबई की सड़कों पर टैक्सियों की कुल संख्या में बड़ी कमी आई है।

कहानी

बंदर और दो बिल्लियां

एक बार दो बिल्लियों को एक रोटी मिली और वो दोनों बिल्लियां उस रोटी के लिए निरंतर लड़ रही थी। पहली बिल्ली ने कहा वह रोटी उसकी है तो छोटी बिल्ली भी कैसे पीछे हटती उसने भी कहा कि वह रोटी उसकी है। वहाँ पास में एक पेड़ पर काफी देर से बैठा बंदर सब कुछ देख रहा था और इसलिए उसने सोचा कि क्यों न वह इन दोनों बिल्लियों की मदद करे? वह बिल्लियों के पास गया और बोला कि वह रोटी को बराबर दो हिस्सों में करता है ताकि तुम दोनों को बराबर रोटी मिले। दोनों बिल्लियां इस बात पर राजी हो गईं पर जब बंदर ने रोटी के दो हिस्से किए तो एक टुकड़ा बड़ा और एक टुकड़ा छोटा हो गया। इसलिए उसने बड़ेवाले टुकड़े से थोड़ी सी रोटी तोड़ कर खा ली और इस बार रोटी का दूसरा हिस्सा बड़ा हो गया। यह कुछ देर तक चलता रहा और बंदर रोटी के दोनों टुकड़ों को बराबर करने के लिए लगातार उससे एक-एक बाईट खाता रहा। अंत में उसने पूरी रोटी खा ली। अब क्या था दोनों बिल्लियों को बहुत गुस्सा आया और उन्होंने बंदर से पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया तो चालाक बंदर ने कहा कि यदि तुम दोनों खुद ही इस समस्या को सुलझाती तो ऐसा नहीं होता। पर तुम ऐसा नहीं कर सकी और तुम्हारे पास जो भी था वह भी तुमने खो दिया। बंदर खुशी-खुशी अपने घर चला गया और दोनों बिल्लियां भूखी रह गईं।

कहानियां अक्सर हमें हमारे बचपन में ले जाती हैं। किसी के लिए स्टोरीटेलिंग एक कला है तो किसी के लिए यह एक परंपरा है। बहुत पहले से लोग अपने बच्चों को कहानियां सुनाते रहे हैं और बच्चे उतने ही इंट्रेस्ट से कहानियों को सुनते भी आए हैं। ऊपर दी हुई कहानियां काफी लोकप्रिय हैं और आपका बच्चा भी इन कहानियों को बहुत पसंद करेगा इसलिए आप उसे यह कहानियां जरूर सुनाएं। कहानियों से बच्चों की कल्पनाएं व क्रिएटिविटी बढ़ती है और साथ ही बच्चे की वोकैब्युलरी में भी सुधार आता है। बच्चों के लिए ज्यादातर कहानियों में मॉरल भी होता है। इससे आपके बच्चे को वैल्यूज सीखने को मिलती हैं और उसमें सही-गलत पहचानने की समझ आती है। कहानियों में ढेर सारा मनोरंजन भी होता है।

भगवान शिव के पहले शिष्य कौन थे

क्या शिव और शंकर एक हैं,

कौन थे महादेव के पहले शिष्य, कैसे हुई देवाधि देव की उत्पत्ति

भगवान शिव को सनातन संस्कृति देवों के देव महादेव कहा जाता है। इसके अलावा हिंदू धर्म को मानने वाले उन्हें भगवान शंकर भी कहते हैं। उनके महेश, रुद्र, गंगाधर, भोलेनाथ, गिरीश जैसे कई नाम हैं। तंत्र साधना करने वाले भगवान शंकर को भैरव भी कहते हैं। भगवान शंकर को सौम्य और रौद्र दोनों रूपों में पूजा जाता है। भगवान शिव को त्रिदेवों में संहार का देवता माना जाता है। वैसे तो भगवान शिव को हमेशा कल्याणकारी माना जाता है, लेकिन वे लय और प्रलय दोनों को अपने अधीन रखते हैं।

भगवान शिव सुर और असुर दोनों को समान दृष्टि से देखते हैं। इसलिए कथा-कहानयिों में कई राक्षसों के उनकी कठिन तपस्या करने की जानकारियां मिलती हैं। भगवान शिव के कई अनन्य भक्तों में एक लंकाधिपति रावण भी हुए। कई राक्षसों ने उन्हें अपने तप से प्रसन्न कर मनचाहा वरदान पाया। सवाल ये उठता है कि भगवान शिव के भक्तों की कई कहानियां सुनी-सुनाई जाती हैं, लेकिन उनके पहले शिष्य की जानकारी बहुत कम उपलब्ध होती है। जानते हैं कि भगवान शंकर के पहले भक्त कौन थे

भगवान शिव के पहले शिष्यों की जानकारी पुराणों में मिलती है। पुराणों के मुताबिक, भगवान शिव के सबसे पहले शिष्यों में सप्तऋषियों की गिनती होती है। मान्यता है कि सप्तऋषियों ने भगवान शिव के ज्ञान का प्रचार धरती पर किया था। इसी की वजह से विभिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। ये भी माना जाता है कि भगवान शिव ने ही गुरु शिष्य परंपरा की शुरआत की थी। शिव के सबसे पहले शिष्यों में बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, महेंद्र, प्राचेतस मनु, सहस्राक्ष और भारद्वाज शामिल थे।

क्या एक हैं भगवान शिव और शंकर

ज्यादातर सनातन परंपरा के अनुयायी शिव और शंकर को एक ही मानते हैं। हालांकि, शिव पुराण में जिक्र किया गया है कि सबसे पहले एक प्रकाश पुंज की उत्पत्ति हुई। इस प्रकाश पुंज से ब्रह्मा और विष्णु की उत्पत्ति हुई। जब ब्रह्माजी ने पूछा कि आप कौन हैं तो पुंज से आवाज आई कि मैं शिव हूं। इस पर ब्रह्मा जी ने प्रकाश पुंज से साकार रूप लेने को कहा। फिर उस प्रकाश पुंज से शंकर की उत्पत्ति हुई। इस आधार पर कहा जा सकता है कि शिव और शंकर एक ही शक्ति के अंश हैा, लेकिन दोनों अलग हैं। दोनों फर्क इतना है कि शिव प्रकाश पुंज स्वरूप हैं और अब हम उनकी शिवलिंग के रूप में पूजी करते हैं, जबकि शंकर सशरीर देव स्वरूप हैं।

किसका ध्यान करते हैं भगवान शंकर

कुछ पुराणों में भगवान शंकर को शिव इसलिए कहते हैं, क्योंकि वे निराकार शिव के समान है। निराकार शिव को ही शिवलिंग के रूप में पूजा जाता है। ज्यादातर जगहों पर भगवान शंकर को योगी के रूप में दिखाया जाता है। कई जगह देखा जाता है कि भगवान शंकर खुद आंखें बंद किए ध्यान मुद्रा में बैठे हैं। कभी सोचा है कि आखिर देवाधिदेव महादेव किसका ध्यान कर रहे हैं। तो इसको लेकर अलग-अलग कथाएं हैं। रामचरित मानस में भगवान शिव और श्रीराम को एकदूसरे का उपासक बताया गया है। शिवपुराण में खुद भगवान शिव माता पार्वती को बताते हैं कि वह श्रीराम का ध्यान करते हैं। वहीं, कुछ पुराणों में बताया जाता है कि भगवान शंकर शिव का ध्यान करते रहते हैं। कुछ जगहों पर भगवान शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए भी चित्रित किया गया है। इससे भी साफ होता है कि शिव और शंकर दो अलग सत्ताएं हैं।

भगवान शिव की उत्पत्ति कैसे हुई

मान्यता है कि भगवान शिव स्वयंभू हैं यानी खुद ही प्रकट हुए हैं, लेकिन पुराणों में उनकी उत्पत्ति का विवरण मिलता है। विष्णु पुराण के अनुसार, जहां भगवान विष्णु ब्रह्माजी की नाभि से उत्पन्न हुए थे। वहीं, भगवान शिव विष्णु जी के माथे के तेज से उत्पन्न हुए। विष्णु पुराण के मुताबिक, माथे के तेज से उत्पन्न होने के कारण ही शिव-शंभू हमेशा योगमुद्रा में रहते हैं। वहीं, भगवान शिव से एक और मान्यता जुड़ी है कि नंदी और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं और रुद्रदेवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

शिवजी की कितनी पत्नियां हुईं

ज्यादातर जगहों पर भगवान शिव की दो पत्नियों का ही उल्लेख मिलता है। इनमें पहली देवी सती और दूसरी माता पार्वती। वहीं, अगर हिंदू पौराणिक कथाओं की मानें तो महादेव ने एक दो नहीं बल्कि चार विवाह किए थे। उनके सभी विवाह आदिशक्ति से ही हुए थे। भगवान शिव का पहला विवाह माता सती के साथ हुआ। वह प्रजापति दक्ष की बेटी थीं। माता सती के पिता ने जब भगवान शिव का अपमान किया तो उन्होंने यज्ञकुंड में खुद को भस्म कर अपने प्राणों की आहुति दे दी। इसके बाद उन्होंने हिमालय की बेटी पार्वती के रूप में जन्म लिया। माता पार्वती के रूप में आदिशक्ति ने भगवान शिव से दूसरा विवाह किया। धर्मग्रंथों में भगवान शिव की तीसरी पत्नी देवी उमा को बताया जाता है। वहीं, उनकी चौथी पत्नी मां महाकाली को बताया गया है।

सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक मंदिरों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है श्रीशैलम

बाणगंगा जलाशय मंदिर के निकट स्थित है और यहाँ के पानी की पवित्रता को लेकर मान्यता है। श्रद्धालु यहाँ स्नान करके अपने पापों का नाश करते हैं। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य और शांति पर्यटकों को आकर्षित करता है। श्रीशैलम, आंध्र प्रदेश का एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल है, जो अपनी सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक मंदिरों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर भगवान शिव और देवी पार्वती के मंदिर के लिए जाना जाता है, जो भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। आइए जानते हैं श्रीशैलम के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. श्रीशैलम मंदिर

श्रीशैलम मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह मंदिर शैव और शक्ति भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है। यहाँ का वास्तुकला अद्भुत है और मंदिर के चारों ओर का वातावरण भक्तों को आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है।

2. बाणगंगा जलाशय

बाणगंगा जलाशय मंदिर के निकट स्थित है और यहाँ के पानी की पवित्रता को लेकर मान्यता है। श्रद्धालु यहाँ स्नान करके अपने पापों का नाश करते हैं। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य और शांति पर्यटकों को आकर्षित करता है।

3. श्रीशैलम डेम

श्रीशैलम डेम कृष्णा नदी पर बना एक विशाल बांध है। यह पर्यटकों के लिए एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है। यहाँ से नदी और आसपास के पहाड़ों का दृश्य मनमोहक होता है। पर्यटक यहाँ बोटिंग का आनंद भी ले सकते हैं।

4. राघवेंद्र स्वामी आश्रम

यह आश्रम संत राघवेंद्र स्वामी को समर्पित है और यहाँ भक्तों की एक बड़ी संख्या आती है। आश्रम का शांत वातावरण और साधना का स्थान भक्तों के लिए विशेष है।

5. किला श्रीशैलम

श्रीशैलम का किला ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यहाँ की दीवारें और मीनारें एक समय की भव्यता को दर्शाती हैं। किले की चोटी से चारों ओर का दृश्य अद्भुत होता है और यहाँ से सूर्यास्त का दृश्य देखने लायक होता है।

6. मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर

यह मंदिर श्रीशैलम के निकट स्थित है और यहाँ की भव्यता और आस्था भक्तों को आकर्षित करती है। यह मंदिर भी भगवान शिव को समर्पित है और यहाँ विशेष उत्सव और मेले आयोजित होते हैं।

श्रीशैलम तक पहुँचने के लिए सड़क और रेल दोनों सुविधाएँ उपलब्ध हैं। निकटतम रेलवे स्टेशन मल्लिकार्जुनपुरम है, जबकि सबसे नजदीकी एयरपोर्ट हैदराबाद में है। यहाँ का मौसम पूरे साल यात्रा के लिए उपयुक्त होता है, लेकिन सर्दियों में यहाँ आना विशेष रूप से सुखद होता है ।सबसे अच्छे वेकेशन पैकेज

देखा जाये तो श्रीशैलम एक ऐसा स्थान है जहाँ आप धार्मिकता, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत अनुभव कर सकते हैं। यहाँ की यात्रा आपको न केवल आध्यात्मिक बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक अनुभव भी प्रदान करेगी। यदि आप आंध्र प्रदेश में यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो श्रीशैलम आपके लिए एक अनूठा गंतव्य है। यहाँ की यात्रा निश्चित रूप से आपके मन में अमिट यादें छोड़ जाएगी।

भगवान शिव को इन 5 राशियों के लोग होते हैं सबसे प्रिय

ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि भगवान को 5 राशियां सबसे प्रिय होती हैं और भगवान शिव इन राशियों पर विशेष कृपा बरसाते हैं। शिव पुराण के अनुसार, भगवान शिव स्वभाव से बहुत भोले होते हैं और सच्चे मन से पूजा करने पर बहुत जल्द ही प्रसन्न हो जाते है। मान्यताओं के अनुसार मेष और मकर सहित 5 राशियों के लोग भगवान शिव को सबसे प्रिय होते हैं। सावन के महीने में इन राशियों के लोग शिवजी की पूजा से जुड़े कुछ उपाय करें तो भोलेनाथ उनकी हर इच्छा पूरी करते है। देखें कौन सी हैं ये 5 राशियां।

मेष राशि पर शिवजी की विशेष कृपा

मंगल के स्वामित्व वाली मेष राशि भगवान शिव की 5 प्रिय राशियों में से एक मानी जाती है। भोलेबाबा की कृपा से इनके सभी बिगड़े काम बन जाते हैं और उनके आशीर्वाद से करियर और कारोबार में तरक्की होती है। शिवजी इनके शुभ कार्य में आ रही हर बाधा को दूर करते हैं और इस राशि के लोग खूब नाम कमाते हैं। उपाय के रूप में आपको सावन में रोजाना तांबे के लोटे में गुड़ और लाल चंदन डालकर शिवलिंग का अभिषेक करना चाहिए।

कर्क राशि की हर इच्छा पूरी करेंगे महादेव

कर्क राशि के स्वामी चंद्रमा हैं जिनको भगवान शिव ने अपने मस्तक पर धारण किया हुआ है। इसलिए कर्क भी भगवान शिव की प्रिय राशियों में से एक मानी जाती है। कर्क राशि वालों की भोलेबाबा सदैव रक्षा करते हैं और उन्हें सदैव विपत्ति से बचाते हैं। इस राशि के लोग स्वभाव से बहुत सहनशील होते हैं, इसलिए इनके धैर्यपूर्ण स्वभाव की वजह से भगवान शिव इन्हें बहुत पसंद करते हैं। उपाय के रूप में आपको रोजाना सावन में चांदी के लोटे से शिवलिंग पर दूध चढ़ाना चाहिए।

तुला राशि पर कृपा बरसाते हैं महादेव

शुक्र के स्वामित्व वाली तुला राशि भगवान शिव की प्रिय राशियों में से एक मानी जाती है। इस राशि के लोग स्वभाव से बहुत आध्यात्मिक प्रकृति के माने जाते हैं और यही वजह है कि जो शिवजी इस राशि के लोगों के साथ हमेशा खड़े रहते हैं। शिवजी इनका हर बिगड़ा काम संवार देते हैं और सदैव इनके सिर पर सदैव हाथ रखते हैं। सावन में रोजाना आपको पानी में मिसरी डालकर जलाभिषेक करना चाहिए और ऊं नम: शिवाय मंत्र का जप करना चाहिए।

मकर राशि की हर मुराद सुनते हैं महादेव

मकर राशि के स्वामी शनि महाराज हैं। शनि भगवान शिव को अपना आराध्य मानते हैं और कहते हैं कि उन्होंने शिव जी की कृपा से ही दंडाधिकारी का पद प्राप्त किया था इसलिए शिवजी को मकर राशि भी बहुत प्रिय होती है। इस राशि के लोग स्वभाव से बहुत मेहनती होते हैं यही वजह है कि हर मुश्किल वक्त में भगवान शिव इनकी रक्षा करते हैं। उपाय के रूप में आपको सावन में रोजाना शिवलिंग पर जल में काले तिल डालकर शिवलिंग पर चढ़ाना चाहिए।

कुंभ राशि की सदैव रक्षा करते हैं महादेव

कुंभ राशि वाले भी भगवान शिव को सबसे प्रिय होते हैं। कुंभ राशि के लोग स्वभाव से बहुत सच्चे होते हैं और सदैव दूसरों की भलाई करने में लगे रहते हैं। कहते हैं कुंभ राशि वालों को भगवान शिव अकाल मृत्यु से बचाते हैं और उनको सदैवे सुख समृद्धि से भरपूर रखते हैं। भगवान शिव के आशीर्वाद से भगवान शिव अपने जीवन में बड़ा मुकाम हासिल करते हैं। उपाय के रूप में सावन में रोजाना शिवलिंग पर गन्ने का रस चढ़ाएं।

जब धरती पर बढ़े पाप तब भगवान ने लिए ये अवतार

हिंदु धार्मिक ग्रंथों की मान्यताओं के अनुसार, धरती पर बढ़ते पापों को खत्म करने के लिए भगवान खुद संसार में अवतार के रूप में प्रकट होते है। अब तक भगवान विष्णु के इन अवतारों को जाना जाता है।।।

गीता में चौथे अध्याय के एक श्लोक में भगवान कृष्ण ने कहा है :

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत ।

अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥

इसका मतलब है, हे भारत, जब-जब धर्म की हानि होने लगती है और अधर्म बढ़ने लगता है, तब-तब मैं स्वयं की रचना करता हूं, अर्थात् जन्म लेता हूं। मानव की रक्षा, दुष्टों के विनाश और धर्म की पुन:स्थापना के लिए मैं अलग-अलग युगों (कालों) में अवतरित होता हूं।

तो आइए जानें श्रीहरि के दशावतारों के बारे में :

1। मत्स्य अवतार :

मत्स्य अवतार भगवान विष्णु का पहला अवतार है। इस अवतार में विष्णु जी मछली बनकर प्रकट हुए थे। मान्यता के अनुसार एक राक्षस ने जब वेदों को चुरा कर समुद्र की गहराई में छुपा दिया था, तब भगवान विष्णु ने मत्स्य अवतार में आकर वेदों को पाया और उन्हें फिर स्थापित किया।

2। वराह अवतार :

वराह अवतार हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार भगवान विष्णु के दस अवतारों में से तीसरा अवतार है। इस अवतार में भगवान ने सुअर का रूप धारण करके हिरण्याक्ष राक्षस का वध किया था।

3। कच्छप अवतार :

कूर्म अवतार को कच्छप अवतार भी कहते हैं। इसमें भगवान विष्णु कछुआ बनकर प्रकट हुए थे। कच्छप अवतार में श्री हरि ने क्षीरसागर के समुद्रमंथन में मंदर पर्वत को अपने कवच पर रखकर संभाला था। मंथन में भगवान विष्णु, मंदर पर्वत और वासुकि सर्प की मदद से देवताओं और राक्षसों ने चौदह रत्न पाए थे।

4। नृसिंह भगवान :

ग्रंथों के अनुसार भगवान विष्णु के दस अवतारों में से चौथा अवतार नृसिंह हैं। इस अवतार में लक्ष्मीपति नर-सिंह मतलब आधे शेर और आधे मनुष्य बनकर प्रकट हुए थे। इसमें भगवान का चेहरा शेर का था और शरीर इंसान का था। नृसिंह अवतार में उन्होंने अपने भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए उसके पिता राक्षस हिरणाकश्यप को मारा था।

5। वामन अवतार :

भगवान विष्णु पांचवां अवतार हैं वामन। इसमें भगवान ब्राम्हण बालक के रूप में धरती पर आए थे और प्रहलाद के पौत्र राजा बलि से दान में तीन पद धरती मांगी थी। तीन कदम में वामन ने अपने पैर से तीनों लोक नाप कर राजा बलि का घमंड तोड़ा था।

6। परशुराम :

विष्णु के अवतार परशुराम राजा प्रसेनजित की बेटी रेणुका और भृगुवंशीय जमदग्नि के पुत्र थे। दशावतारों में से वह छठवां अवतार थे। जमदग्नि के पुत्र होने की वजह से इन्हें जामदग्न्य भी कहते हैं। वह शिव के परम भक्त थे। भगवान शंकर ने इनकी भक्ति से प्रसन्न होकर परशु शस्त्र दिया था। इनका नाम राम था और परशु लेने के कारण वह परशुराम कहलाते थे। कहा जाता है इन्होंने क्षत्रियों का कई बार विनाश किया था। क्षत्रियों के अहंकारी विध्वंश से संसार को बचाने के लिए इनका जन्म हुआ था।

7। श्रीराम :

विष्णु के दस अवतारों में से एक मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम हैं। महर्षि वाल्मिकि ने राम की कथा संस्कृत महाकाव्य रामायण में लिखी थी। तुलसीदास ने भक्ति काव्य श्री रामचरितमानस की रचना की थी। राम, अयोध्या के राजा दशरथ और उनकी पहली रानी कौशल्या के पुत्र थे।

8। श्री कृष्ण :

यशोदा नंदन श्री कृष्ण भी विष्णु के अवतार थे। भागवत ग्रंथ में भगवान कृष्ण की लीलाओं की कहानियां है। इनके गोपाल, गोविंद, देवकी नंदन, वासुदेव, मोहन, माखन चोर, मुरारी जैसे अनेकों नाम हैं। यह मथुरा में देवकी और वसुदेव के पुत्र के रूप में प्रकट हुए थे। श्री कृष्ण की महाभारत के युद्ध में बहुत बड़ी भूमिका थी। वह इस युद्ध में अर्जुन के सारथी थे। उनकी बहन सुभद्रा अर्जुन की पत्नी थीं। उन्होंने युद्ध से पहले अर्जुन को गीता उपदेश दिया था।

9। भगवान बुद्ध : भगवान विष्णु के दशावतारों में से एक बुद्ध भी हैं। इनको गौतम बुद्ध, महात्मा बुद्ध भी कहा जाता है। वह बौद्ध धर्म के संस्थापक माने जाते हैं। बौद्ध धर्म संसार के चार बड़े धर्मों में से एक है। इनका जन्म क्षत्रिय कुल के शाक्य नरेश शुद्धोधन के पुत्र के रूप में हुआ था। इनका नाम सिद्धार्थ रखा गया था। गौतम बुद्ध अपनी शादी के बाद बच्चे राहुल और पत्नी यशोधरा को छोड़कर संसार को मोह-माया और दुखों से मुक्ति दिलाने के मार्ग पर निकल गए थे।

10। कल्कि अवतार : कल्कि अवतार भगवान विष्णु का आखरी अवतार माना जाता है। कल्कि पुराण के अनुसार श्री हरि का कल्कि अवतार कलियुग के अंत में होगा। उसके बाद धरती से सभी पापों और बुरे कर्मों का विनाश होगा।

महेश बाबू ने उठाया राज से पर्दा क्यों किया मुफासा में काम

महेश बाबू ने आगामी फिल्म मुफासा- द लायन किंग में तेलुगु भाषा में मुफासा को आवाज दी है। हाल ही में उन्होंने इस फिल्म से जुड़ी अपनी भावनाओं को साझा किया। इस दौरान महेश बाबू ने खुलासा किया कि वह क्यों इस किरदार से इतना प्रभावित हैं और फिल्म में काम करना उनके लिए कितना खास है।

इन सितारों की सुनने को मिलेगी आवाज

जंगल के सबसे बड़े राजा मुफासा की कहानी अब तेलुगु में भी दर्शकों तक पहुंचने के लिए तैयार है। 2019 में आई द लायन किंग की सफलता के बाद अब मुफासा- द लायन किंग 20 दिसंबर 2024 को रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म के तेलुगु डब संस्करण में महेश बाबू मुफासा की आवाज बने हैं। जबकि ब्रह्मानंदम- पुंबा, अली- टिमोन, सत्यदेव- टाका और अयप्पा पी शर्मा ने कीरोस को आवाज दी है।

महेश बाबू ने क्यों किया मुफासा में काम

महेश बाबू ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा, मुफासा एक ऐसा किरदार है जिसे मैंने हमेशा आदर्श माना है। यह मेरे लिए सचमुच एक सपना सच होने जैसा है। वह अपने परिवार के लिए जो प्यार और जिम्मेदारी दिखाता है, मुझे उसमें बहुत कुछ समानता महसूस होती है। मैं बहुत उत्साहित हूं कि लोग मुझे इस किरदार में देखेंगे। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि मुफासा हर पीढ़ी का पसंदीदा किरदार है। फिल्म को परिवारों के साथ देखने का अनुभव बेहद संतोषजनक होगा। मेरे लिए यह एक बहुत बड़ा सम्मान है।

इन भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म

मुफासा- द लायन किंग में दर्शकों को न सिर्फ नए किरदारों से मिलवाया जाएगा, बल्कि फिल्म में फोटोरियल कंप्यूटर-जनरेटेड इमेजरी का भी शानदार उपयोग किया गया है। फिल्म का निर्देशन बैरी जेनकिंस ने किया है। यह फिल्म भारतीय सिनेमाघरों में अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी।

अल्फा हूं पर किसी पर अधिकार नहीं जमाती

टीवी एक्ट्रेस आयुषी खुराना भले पहली बार में एक्ट्रेस बनने के सपने से दूर हो गई हों लेकिन काश के दर्द से बचने के लिए उन्होंने फिर कोशिश की और अपनी ख्वाहिश को हकीकत में बदल दिया। कुछ समय में ही कई सीरियल्स का हिस्सा रह चुकीं आयुषी इन दिनों शो जाने अनजाने हम मिले में नजर आ रही हैं।

मैंने अपनी जिम्मेदारियां खुद उठाई हैं

मैं एक मजबूत लड़की हूं और अपनी मर्जी चलाती हूं। इसी वजह से अल्फा वाली बात से रिलेट कर गई। फिर भी ऐसा नहीं है कि बहुत डॉमिनेटिंग हूं लेकिन हां, मैं एक ऐसी लड़की हूं, जो अपनी जिंदगी खुद संभालती है। उसे खुद हैंडल करती है। अपने सारे फैसले खुद लेती है। मैंने अपनी जिम्मेदारियां भी खुद उठाई हैं। मैं अल्फा हूं पर किसी और पर अधिकार नहीं जमाती। मैं प्रोवाइडर जरूर हूं लेकिन शासन करने या हक जमाने वाली बात मेरे अंदर नहीं है क्योंकि मैं फीडम ऑफ चॉइस पर भरोसा करती हूं।

काश पर कुछ नहीं छोड़ना चाहती थी

मैं मेकअप कोर्स के बहाने मुंबई में ऐक्टर बनने आई थी। पापा को बताया तो उन्होंने पहले ढेर सारी छानबीन की। मैंने सोचा था कि कार्तिक आर्यन की तरह पढ़ाई के बहाने मुंबई में ऐक्टिंग कर लूंगी। उन्हें तो काम मिल गया पर मुझे नहीं मिला। फिर बेंगलुरु गई। वहां खुद को मजबूत किया और लगा कि एक और मौका देना चाहिए। मैं भविष्य में काश के ऊपर कुछ नहीं छोड़ना चाहती थी। लॉकडाउन के बाद एक और चांस लिया। वो एक साल बहुत दबाव वाला रहा था। मेरे दिमाग में लीड एक्ट्रेस का खयाल था। फिर लगा कि लीड के चक्कर में पड़ी रही तो पता नहीं काम मिले या नहीं। मैंने हर तरह के निगेटिव-पॉजिटव शेड वाले किरदारों के लिए ऑडिशन देने शुरू किए। आठ महीने बाद मुझे पहला नेगेटिव रोल मिला।

अनुभव से ही ऐक्टिंग निखरती है

मुझे घर से बाहर अकेले रहते हुए आठ साल हो गए हैं। तीन साल बेंगलुरु में रहीं और पांच साल से मुंबई में हूं। अकेले रहने के दौरान इतने सारे अनुभव मिले, जिसने मुझे मजबूत बना दिया। मुझे लगता है कि जितने अनुभव जीवन में लोगे, उतनी ही अच्छी ऐक्टिंग भी कर पाओगे। अनुभव से ही ऐक्टिंग निखरती है। काफी कुछ सीखा है और आगे भी सीखती रहूंगी। मैं सबसे यही कहती हूं कि आप छोटे से छोटे शहर से क्यों ना हो लेकिन बिना डर बाहर निकलो। ढेर सारे अनुभव लो। मेहनत करो। हालांकि, बाहर अकेले रहने के दौरान थोड़ी समझदारी दिखानी जरूरी होती है क्योंकि चीजें कई बार बिगड़ भी सकती हैं।

हम ऐक्टर भी आपके बीच से ही निकले हैं

कई बार लोगों को लगता है कि आप ऐक्टर हो तो हमेशा खूबसूरत ही दिखोगे। लड़कियों की जिंदगी में इतने हॉरमोनल प्रॉब्लम चलते हैं कि वो हमेशा एक जैसी नहीं लग सकतीं। हमारे चेहरे पर भी पिंपल्स या अन्य स्किन प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। हम भी इंसान हैं। हमारी जिंदगी में वही समस्याएं हैं, जो आपकी जिंदगी में हैं। मैं एक ऐक्टर होने के नाते हमेशा कहती हूं कि आप (दर्शक-प्रशंसक) हैं तो हम हैं। हम आपके बीच से ही निकले हैं। लोग कई बार एक्ट्रेस को ट्रोल करते हैं कि देखो इनके चेहरे पर कितने दाग हैं या कैसे नजर आती हैं। ऐसा लोग शायद इसलिए करते हैं क्योंकि उनके पास और कुछ करने के लिए नहीं होता है।

परिणीति ने एनिमल के ऊपर क्यों चुनी चमकीला, क्या अब है पछतावा?

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने हाल ही में ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल में लीड भूमिका को लेकर बात की, जिसे रश्मिका मंदाना ने निभाया है। शुरुआत में निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने एक्शन ड्रामा में रणविजय की पत्नी गीतांजलि के रूप में परिणीति चोपड़ा को कास्ट करने की योजना बनाई थी। हालांकि, शेड्यूल संबंधी दिक्कतों के कारण उन्हें यह प्रस्ताव ठुकराना पड़ा। अब परिणीति ने इसे लेकर चुप्पी तोड़ी है। साथ ही बड़ा बयान देती नजर आई हैं।

परिणीति चोपड़ा ने तोड़ी चुप्पी

एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर 900 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। बावजूद इसके परिणीति चोपड़ा को अपने फैसले पर कोई पछतावा नहीं है। एक हालिया इंटरव्यू में परिणीति चोपड़ा ने खुलासा किया, मुझे लगता है कि भगवान ने मेरे लिए कुछ बेहतर किया था। मैं वह फिल्म (एनिमल) कर रही थी, लगभग हर चीज पर काम हो चुका था। लेकिन उन्हीं तारीखों पर मुझे चमकीला की पेशकश की गई।

एनिमल के ऊपर क्यों चुनी चमकीला?

अभिनेत्री ने आगे कहा, मुझे कई गानों की पेशकश की गई थी, मैं एआर रहमान द्वारा रचित गाने गा रही थी। इम्तियाज अली मेरे ड्रीम निर्देशक हैं। मुझे और भी बहुत कुछ करने की पेशकश की गई थी, इसलिए मैंने चमकीला को चुना।

परिणीति को कोई अफसोस नहीं

परिणीति ने अपनी बात में आगे जोड़ा, मुझे लगता है कि मुझे इसका अफसोस नहीं है, मैं खुश हूं। चमकीला में परिणीति चोपड़ा ने दिवंगत पंजाबी गायक अमर सिंह चमकीला की पत्नी अमरजोत का किरदार निभाया था।

चमकीला को मिली सराहना

इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में थे। इसे नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था और परिणीति चोपड़ा के प्रदर्शन के लिए इसे समीक्षकों द्वारा सराहा गया था। उनके पति राघव चड्ढा ने भी खुलासा किया, जब परिणीति भारत लौटीं, तो वह एक शूटिंग के लिए सीधे पंजाब आईं। हम मिलते रहे और समय के साथ रिश्ता मजबूत होता गया। पहले तो हम लोगों की नजरों से दूर छिपकर मिलते थे।

करीना कपूर की पसंदीदा बॉलीवुड जोड़ी है सोहा अली खान-कुणाल खेमू

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान हमेशा यही कहती आई हैं कि वह खुद की फेवरेट हैं, लेकिन क्या आपको यह पता है कि उनकी पसंदीदा जोड़ी कौन है। आइए जानते हैं.....

करीना कपूर खान की ननद सोहा अली खान और उनके पति कुणाल खेमू को ही वह अपनी पसंदीदा जोड़ी कहती हैं, क्योंकि वे एक साथ मौज-मस्ती करते हैं। जी हां, करीना ने ननद सोहा अली खान और उनके पति कुणाल खेमू पर प्यार बरसाया। उन्होंने इन सेलेब्स को अपना पसंदीदा जोड़ा भी कहा।

करीना अपने पति सैफ अली खान के परिवार के साथ एक प्यारा रिश्ता साझा करती हैं। चाहे वह उनकी मां शर्मिला टैगोर हों, बहनें सबा पटौदी और सोहा अली खान हों, या फिर सारा अली खान और इब्राहिम अली खान हों। उन्हें अक्सर सभी के साथ मस्ती करते हुए देखा जाता है। हाल ही में, उन्होंने सोहा और उनके पति कुणाल खेमू की एक तस्वीर पोस्ट की, और उन्हें अपना पसंदीदा जोड़ा बताया। बी-टाउन की दिवा करीना कपूर खान ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर सोहा अली खान और कुणाल खेमू की एक प्यारी सी तस्वीर शेयर की है। फोटो में दोनों को गंभीर बातचीत करते हुए देखा जा सकता है। बेबो ने चुपके से उनकी एक तस्वीर क्लिक की और उन्हें पसंदीदा जोड़ी कहा। काम की बात करें तो बेबो को आखिरी बार रोहित शेट्टी की एक्शन फिल्म सिंघम अगेन में अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ, दीपिका पादुकोण और अर्जुन कपूर के साथ देखा गया था।

टाइगर श्रॉफ को 'बागी' सीरीज की फिल्मों ने बनाया एक्शन स्टार

'बागी 4' में खूंखार हो गया किरदार

टाइगर श्रॉफ अगले साल फिल्म 'बागी 4' में फिर से अपने एक्शन अंदाज में नजर आएंगे। इस फिल्म का एक पोस्टर कुछ देर पहले ही टाइगर श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर साझा किया है। इस पोस्टर में टाइगर नहीं बल्कि संजय दत्त नजर आ रहे हैं। संजय दत्त का लुक देखकर दर्शक डर सकते हैं।

टाइगर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर एक कैप्शन भी लिखा है- 'हर आशिक एक विलेन होता है।' फिल्म के इस नए पोस्टर से लग रहा है कि फिल्म 'बागी 4' में टाइगर श्रॉफ का मुकाबला संजय दत्त के किरदार से होगा। दोनों को दर्शक जबरदस्त एक्शन करते हुए देखेंगे। जहां तक टाइगर श्रॉफ की बात है, तो वह 'बागी' सीरीज की फिल्मों में अलग कहानी और किरदार के साथ कमाल का एक्शन कर चुके हैं। एक नजर, अब तक की 'बागी' सीरीज की फिल्मों पर।

फिल्म 'बागी (2016)' टाइगर श्रॉफ के करियर की दूसरी फिल्म थी। इससे पहले उनकी एक फिल्म 'हीरोपंती' आई थी, जिसमें एक्शन कम, रोमांस ज्यादा था। फिर रिलीज हुई फिल्म 'बागी', इस फिल्म में टाइगर ने ऐसा एक्शन किया कि दर्शक, समीक्षक और आलोचक सभी हैरान रह गए। इसके बाद टाइगर को बॉलीवुड का नया एक्शन स्टार कहा जाने लगा। फिल्म की कहानी की बात की जाए, तो इसमें टाइगर ने एक मार्शल आर्ट एक्सपर्ट रॉनी का रोल किया, जो अपने प्यार को बचाने के लिए विलेन से फाइट करता है। फिल्म में उनकी लव इंट्रेस्ट का रोल श्रद्धा कपूर ने किया था।

बागी 2

साल 2018 में टाइगर श्रॉफ ने एक अलग कहानी के साथ फिल्म 'बागी 2' में फिर से कमाल के एक्शन सींस दिए। इस बार हीरोइन के तौर पर उनके साथ दिशा पटानी नजर थीं। इस फिल्म में टाइगर अपने एक्शन को एक लेवल और ऊपर लेकर गए, उन्होंने बहुत ही खतरनाक स्टंट सींस फिल्म में दिए थे।

बागी 3

'बागी 3 (2020)' में एक्शन के साथ दो भाइयों के बीच की बॉन्डिंग को भी दिखाया गया था। इस फिल्म में अपने भाई विक्रम (रितेश देशमुख) को बचाने के लिए टाइगर श्रॉफ का किरदार रॉनी, अपनी जान की बाजी लगा देता है। फिल्म में रॉनी सीरिया जाकर, अपने भाई की रक्षा करता है। इस इमोशनल स्टोरीलाइन के साथ टाइगर श्रॉफ का एक्शन दर्शकों को खूब पसंद आया था।

बागी 4

जल्द ही दर्शक टाइगर श्रॉफ को अपने एक्शन अंदाज में दोबारा देखेंगे। वह अगले साल फिल्म 'बागी 4' में नजर आएंगे। इस फिल्म की खास बात यह है कि इसमें टाइगर श्रॉफ के किरदार का मुकाबला संजय दत्त के किरदार से होने वाला है। फिल्म का जो पोस्टर जारी हुआ, उससे लगता है कि फिल्म 'बागी 4' में ऐसा एक्शन होगा कि दर्शक दंग रह जाएंगे। 'बागी 4' अगले साल 5 सितंबर 2025 को रिलीज होगी। इस फिल्म को ए. हर्षा निर्देशित कर रहे हैं। वहीं साजिद नाडियाडवाला इसके प्रोड्यूसर हैं। 'बागी' सीरीज की सभी फिल्मों को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है।

कांग्रेसी सांसद किसानों से नहीं मिल पाए, डीएम से की वार्ता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेल में बंद किसानों से मुलाकात के लिए कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल को पुलिस ने मुलाकात से रोक दिया। बाद में उन्होंने जिलाधिकारी मनीष वर्मा से मुलाकात की और किसानों की तत्काल रिहाई की मांग करते हुए किसानों से जुड़े मुद्दों का तत्काल समाधान निकाले जाने को कहा।

इस मौके पर इमरान मसूद ने कहा कि कांग्रेस किसानों के साथ खड़ी और किसी भी तरह का अन्याय नहीं होने देगी। जनपद गौतमबुद्धनगर में चल रहे किसान आंदोलन के समर्थन और जेल में बंद आंदोलनकारी किसानों से मुलाकात के लिए कांग्रेस पार्टी के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल जनपद पहुँचा। प्रतिनिधिमंडल में सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद, प्रयागराज से सांसद उज्जवल रमण सिंह व बाराबंकी से सांसद तनुज पुनिया शामिल थे।

गाड़ियों के काफिले के साथ सांसदों का प्रतिनिधिमंडल परी चौक होते हुए जिला कारागार के लिए निकला, रास्ते में परी चौक गोलचक्कर पर स्थानीय पुलिस उच्चधिकारिओं ने प्रतिनिधिमंडल में शामिल नेताओं से बात की और जेल जाने से रोक दिया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल जिला कलेक्ट्रेट पहुंचा जहाँ 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ जिलाधिकारी के साथ वार्ता की गयी।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने जिला अधिकारी को साफ शब्दों में कहा कि किसानों का शोषण किसी भी हालत मैं बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। जेल में बंद किसानों की बिना शर्त तुरंत रिहाई होनी चाहिए, किसान आंदोलनकारियों के परिवारों को प्रताड़ित करने का प्रयास किया जा रहा है इसका हम घोर विरोध करते है और यदि यह अविलम्ब नहीं रुका तो कानून व्यवस्था की स्थिति की लिए प्रशासन स्वयं जिम्मेदार होगा।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल प्रयागराज से कांग्रेस सांसद उज्जवल रमण सिंह ने जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा को कहा कि मुख्य सचिव स्तर से वार्ता करके आपको किसानों का उत्पीड़न रुकवाना चाहिए ।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने वार्ता के दौरान जिला अधिकारी से कहा की प्रशासनिक स्तर पर जितना आप किसानों की प्रति सकारात्मक सोच रखते हैं उसके उलट तीनों प्राधिकरणों के अधिकारी, कमिश्नरेट के पुलिस अधिकारी किसानों के प्रति दुराग्रह से ग्रस्त हैं और वर्ष 2017 के बाद से तो खासकर शासन को भी किसानों की मांगों को लेकर गुमराह करने का प्रयास किया जाता रहा है।

प्रतिनिधिमंडल में सांसदों के अलावा जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला, महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव, प्रदेश महासचिव ओमवीर यादव, किसान कांग्रेस जिला चेयरमैन गौतम अवाना, पूनम पंडित, दिनेश अवाना, अजय चौधरी शामिल थे।

इससे पूर्व नोएडा में डी.एन.डी. पर सांसदों का स्वागत करने वालों में जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला, महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव, प्रदेश महासचिव ओमवीर यादव, किसान कांग्रेस जिला चेयरमैन गौतम अवाना, पूनम पंडित, दिनेश अवाना, पूर्व महानगर अध्यक्ष शाहबुद्दीन, मुकेश शर्मा, गौतम सिंह, अरुण भाटी, नितीश चौधरी, रिजवान चौधरी, सतपाल सिंह, डॉ. रघुराज शर्मा, सुबोध भट्ट, सतेन्द्र शर्मा,यतेंद्र शर्मा, जावेद खान, फिरे सिंह नागर, संदीप नागर, गौरव नागर, धरम सिंह बाल्मीकि, धीरे सिंह, रमेश बाल्मीकि, कल्पना सिंह, लियाकत चौधरी, ललित अवाना आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

प्रमुखता से हों पेंशनर्स का भुगतान: सुरेश खन्ना

वित्त व संसदीय कार्यमंत्री ने वित्त विभागीय अफसरों संग की समीक्षा बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। वित्त एवं संसदीय कार्य उत्तर प्रदेश सुरेश कुमार खन्ना की अध्यक्षता में हाईडिल गेस्ट हाउस सेक्टर 38 नोएडा के सभागार में जनपद स्तरीय वित्त विभागीय अधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुई।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री खन्ना ने सम्बन्धित अधिकारियों से समीक्षा करते हुये निर्देश दिये कि शासन की स्पष्ट मंशा है कि पेंशनभोगियों की सुविधाओं को सुदृढ़ रखा जाये। सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा पेंशनभोगियों की पेंशन के सही समय पर भुगतान को सबसे ऊपर प्राथमिकता में रखा जाना चाहिए एवं आपसी समन्वय स्थापित करते हुये पेंशनभोगियों की समस्याओं का निस्तारण ससमय सुनिश्चत किया जाये। समय पर पेंशन के भुगतान से लेकर अन्य उनकी सभी समस्याओं को शामिल किया जाना चाहिए ताकि पेंशनभोगियों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

इस अवसर पर वरिष्ठ कोषाधिकारी ने वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री को आश्वस्त करते हुये कहा कि पेशनर्स के हितलाभ के सम्बन्ध में जो दिशा निर्देश प्रदान किये गये है उन्हीं के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करते हुये कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

बैठक में वरिष्ठ कोषाधिकारी शिखा गुप्ता, डीजीएम फाइनेंस ग्रेटर नोएडा अभिषेक जैन, डिप्टी रजिस्ट्रार गौतमबुद्धनगर ऋषभ कुमार एवं प्राधिकरण नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना, बेसिक शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जिम्स ग्रेटर नोएडा के वित्त विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

सेक्टर-34 में बनाया जाए भूमिगत जलाशय

नोएडा (चेतना मंच)। फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 ने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालिका अधिकारी लोकेश एम को पत्र लिखकर सेक्टर 34 में जलापूर्ति के लिए भूमिगत जलाशय निर्माण की मांग की है।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष के.के. जैन ने बताया कि सेक्टर-34 एक घनी आबादी वाला क्षेत्र है। इस सेक्टर में 13 अपार्टमेंट एवं 2 आवासीय भूखंड ब्लॉक स्थित हैं, जिनकी जलापूर्ति मुख्य रूप से गंगाजल पर निर्भर है।

पाइपलाइन डैमेज और अन्य कारणों से जलापूर्ति बार-बार बाधित होती है। इसके अलावा गंगा नहर की सफाई के कारण एक माह तक जल आपूर्ति बाधित रहती है। इसके अलावा गर्मियों में द्वितीय और तृतीय तल पर रहने वाले निवासियों को विशेष रूप से जल की समस्या का सामना करना पड़ता है।

इसलिए सेक्टर-34 के निवासियों के हित में आपसे अनुरोध है कि किसी भी ग्रीन बेल्ट अथवा सुविधा भूखंड में भूमिगत जलाशय (अंडरग्राउंड टैंक) का निर्माण किया जाए। यह न केवल जलापूर्ति की समस्या को हल करेगा, बल्कि आपातकालीन स्थिति में भी जल उपलब्धता सुनिश्चित करेगा।

विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सरकार ने कीर्तिमान स्थापित किए: डा. महेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विज्ञान तथा तकनीकी के क्षेत्र में बुलंदियों को छुआ है। इन्हीं प्रयासों का नतीजा है कि 2047 तक भारत विकासशील देश की श्रेणी से विकसित होकर विकसित राष्ट्र की श्रेणी में शामिल हो जाएगा।

इसी उद्देश्य के साथ प्रधानमंत्री लगातार कार्य कर रहे हैं। यह कहना था गौतमबुद्धनगर के सांसद तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा का। वे सेक्टर-27 स्थित कैलाश सभागार में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां की विषय पर मीडिया से वार्ता कर रहे थे। उनके साथ भारतीय जनता पार्टी के संगठन प्रभारी प्रमोद अग्रवाल तथा नोएडा महानगर के अध्यक्ष मनोज गुप्ता भी मौजूद थे।

सांसद डॉ. महेश शर्म ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत 2014 से 2025 तक की विभिन्न विकास योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण नियंत्रण के लिए काम हो रहे हैं। गांव में मिशन ऊर्जा भंडारण, उपकरण और तकनीकी नवाचार, वायु जेट ईंधन, तकनीक, स्वच्छता अभियान में योगदान, स्ट्रैटेजिक तकनीक विकास, भारतीय फुटवियर साइजिंग सिस्टम का विकास, पोषण युक्त बाजरे पर आधारित खाद्य उत्पादों का विकास, मेडिकल कचरे से खाद बनाने की तकनीक के क्षेत्र में देश ने व्यापक प्रगति की है।

उन्होंने कहा कि इसी के साथ भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम और स्वास्थ्य देखभाल में प्रगति में भी तेजी आई है। मौसम पूर्वानुमान, पृथ्वी विज्ञान सहित कई क्षेत्रों में देश ने काफी अच्छी प्रगति की है।

पत्रकार वार्ता में सांसद प्रतिनिधि संजय बाली तथा अल्पेश गर्ग भी मौजूद थे।

गुलदाउदी फ्लॉवर शो से महकेगा नोएडा

नोएडा (चेतना मंच)। अगर आप फूलों के प्रेमी हैं तो शिल्प हॉट के सामने बने सेक्टर-33 में स्थित हेलीपैड ग्राउंड में जरूर पहुंचे जहां 14 और 15 दिसंबर को गुलदाउदी फ्लावर शो का आयोजन किया जाएगा। इस शो में 12 प्रजातियों के गुलदाउदी को रखा जाएगा। उन सभी प्रजातियों की जानकारी देने के लिए बॉटनी के प्रोफेसर भी यहां रहेंगे। यहां फूलों के पौधों की खरीदारी की जा सकेगी। इसके लगाने के बारे में जानकारी दी जाएगी।

नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ वंदना त्रिपाठी ने गुलदाउदी फ्लावर शो के बारे मीडिया से बात करते हुए बताया कि गुलदाउदी फ्लावर शो में प्रवेश निशुल्क है और उद्यान विभाग द्वारा नर्सरी की स्टॉलस, पुष्पों से बनी विभिन्न आकृतियां जैसे चंद्रयान, मोर आदि तैयार किए जाएंगे। फ्लावर शो में कुल 12 प्रजातियों की विभिन्न पौधों की प्रदर्शनी लगाई जा रही है। सरकारी और निजी संस्थान के स्टॉल के अलावा 20 से ज्यादा नर्सरी और स्टॉल लगाए जाएंगे। दो दिवसीय शो में 12 प्रतियोगिताएं होंगी और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्राधिकरण की एसीईओ वंदना त्रिपाठी ने बताया कि शो में 6 से 18 साल तक की आयु श्रेणी के 12 से अधिक स्कूली छात्र-छात्राओं, व्यक्तिगत प्रवेश के लिए कट फ्लावर्स और कला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। नटराजन ग्रुप द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों और नृत्यों का आयोजन भी किया जाएगा। यहां आने वाले बुजुर्ग और दिव्यांग लोगों के लिए फ्री ई-कार्ट सेवा भी चलेगी। इससे घूमने में कोई परेशानी नहीं होगी।

प्रोपेल इंडस्ट्रीज ने लॉँच किया इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर ट्रेलर ट्रक

नोएडा (चेतना मंच)। प्रोपेल इंडस्ट्रीज ने बौमा कॉनएक्सपो इंडिया 2024 में अपना 4×2 ईवी ट्रैक्टर ट्रेलर ट्रक- 470 ईटीआर लॉँच किया। इस ट्रक का अनावरण भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यमों के लिए राज्य मंत्री, भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा ने किया।

प्रोपेल इंडस्ट्रीज के मैनेजिंग डायरेक्टर सेंथिल कुमार ने कहा कि यह ट्रक कम से कम मेटेनेंस के साथ लंबे समय तक काम कर सकता है। 55 टन के सकल वाहन भार की क्षमता के साथ इसे डिजाईन किया गया है।

यह ट्रक उच्च क्षमता की लीथियम-आयन बैटरी के साथ एक बार चार्ज होने पर 350 किलोमीटर तक की प्रभावशाली रेंज प्रदान करता है। इसमें फास्ट चार्जिंग क्षमता है, जिसकी मदद से इसकी बैटरी केवल 70 मिनट में 100 प्रतिशत चार्ज हो जाती है।

उन्होंने बताया कि इसमें 350 किलोवॉट की शक्तिशाली इलेक्ट्रिक मोटर लगी है, जो 2600 न्यूटनमीटर का टॉर्क उत्पन्न करती है। इस ट्रक में आधुनिक ड्राईवर असिस्टैंस सिस्टम, जैसे एबीएस, ईबीएस, ईएससी, एचएसए, और ट्रैक्शन कंट्रोल दिए गए हैं, ताकि ड्राईविंग और कंस्ट्रक्शन का सुरक्षित अनुभव प्राप्त हो।